हिंदी सेतु अभ्यास दसवीं कक्षा सन 2021-2022

क्रम	क्षेत्र	घटक/उपघटक	दिन
1.	लेखन	पद्याकलन	1
2.	लेखन	पद्याकलन	2
3.	श्रवण	संवाद लेखन	3
4.	लेखन	अभिव्यक्ति लेखन	4
5.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	5
6.	पठन	सृजनात्मक लेखन	6
7.	श्रवण	पहेलियाँ लेखन	7
8.	भाषण	पहेलियाँ लेखन	8
9.	श्रवण	अभिव्यक्ति लेखन	9
10.	लेखन	साक्षात्कार	10
11.	भाषण	नाट्यावलोकन	11
12.	पठन	नाट्यावलोकन	12
13.	पठन / लेखन	अभिव्यक्ति लेखन	13
14.	भाषण	सृजनात्मक लेखन	14
15.	कसौटी	1 से 14 दिनों पर आधारित	15
16.	भाषण	पद्याकलन	16
17.	लेखन	अभिव्यक्ति लेखन	17
18.	भाषण	अभिव्यक्ति लेखन	18
19.	पठन	नाट्यावलोकन	19
20.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	20
21.	लेखन / श्रवण	सृजनात्मक लेखन	21
22.	लेखन/ पठन	संवाद लेखन	22
23.	श्रवण/ भाषण	अभिव्यक्ति लेखन	23
24.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	24
25.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	25
26.	पठन	अभिव्यक्ति लेखन	26
27.	श्रवण / भाषण	आकलन	27
28.	पठन	अभिव्यक्ति लेखन	28
29.	भाषण	सृजनात्मक लेखन	29
30	कसौटी	16 से 29 दिनों पर आधारित	30
31.	श्रवण	सृजनात्मक लेखन	31
32.	लेखन/ पठन	अभिव्यक्ति लेखन	32
33.	पठन	पद्याकलन	33
34.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	34
35.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	35
36.	लेखन	सृजनात्मक लेखन	36
37.	पठन	अभिव्यक्ति लेखन	37
38.	श्रवण	सृजनात्मक लेखन	38
39.	लेखन	अभिव्यक्ति लेखन	39
40.	पठन	अभिव्यक्ति लेखन	40
41.	लेखन	अभिव्यक्ति लेखन	41
42.	लेखन / पठन	सृजनात्मक लेखन	42
43.	पठन	गद्याकलन	43
44.	श्रवण	गद्याकलन	44
45.	कसौटी	31 से 44 दिनों पर आधारित	45

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 1

क्षेत्र - श्रवण, पठन, लेखन

अपेक्षित कौशल -

छात्र अपने विचार व्यक्त करने का प्रयास करेंगे। छात्र साहित्य को समझदारी से पढ़ने और उसका आनंद लेने में सक्षम बनेंगे।

संकल्पना - पद्य

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित उदाहरण की सहायता से विचार विमर्श करेंगे तथा छात्रों को गुट बनाकर चर्चा करने हेतु प्रेरित करेंगे। छात्र गद्य तथा पद्य का अंतर जानते है या नहीं यह समझ लेंगे।

चारु चंद्र की चंचल किरणें जल - थल में खेल रही है। अवनि और अंबर तल में स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है।		चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही है जल - थल में, स्वच्छ चांदनी बिछी हुई है, अवनि और अंबर तल में।

मेहनत करो जिंदगी की झोली खुशियाँ से भरो, मेहनत करो भागती जिंदगी के साथ चल ।।
मेहनत करो मानव धर्म निभा सको, आदमी को आदमी के करीब ला सको ।।
भले ही हमारे रास्ते अलग - अलग हो, मेहनत करने वालों का धर्म एक है ।।
मेहनत करना जीवन से प्रेम करना है, जिंदगी के रहस्यों में दोस्ती करना है ।।

शिक्षक छात्रों को दोनोँ के बीच का अंतर समझाकर उस पर चर्चा करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा निम्नलिखित कृति के आधार पर छात्रों को कविता का विश्लेषण समझाएँगे ।

कृति-

1. कविता में किसका महत्व बताया गया है -
2. **मेहनत** करना इस के साथ चलना है -
3. **मेहनत** करने से
   - प्रेम —
   - दोस्ती —
4. अभिव्यक्ति लेखन - 'मेहनत इनसान की पूँजी होती है' इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।

आओ सक्षम बनें

शिक्षक इस संकल्पना को दृढ करने हेतु सर्वसमावेशक पद्य को चुनकर छात्रों के गुट बनाकर पद्य विश्लेषण करने हेतु प्रेरित करेंगे ।

वाणी में शहद घोलना सीख लीजे, जरा प्यार से बोलना सीख लीजे।
चुप रहने के, यारों बडे फायदे है, जुबाँ वक्त पर खोलना सीख लीजे।
कुछ कहने से पहले जरा सोचिए, खयालों को खुद तौलना सीख लीजे।
तू-तड़ाक हो या फिर हो तू-तू ,मैं-मैं, अपने आप को टोकना सीख लीजे।
पटाखे की तरह फटने से पहले, रोशनी के रंग घोलना सीख लीजे।
कटु वचन तो सदा बोते है काँटे, मीठी बोली के गुल रोप ना सीख लीजे।
बात बेबात कोई चुभने लगे बदलकर उसे मोड़ना सीख लीजे।
ये किसने कहा होंठ सीकर के बैठो, जरुरत पे मुँह खोलना सीख लीजे।

- **शिक्षक छात्रों को उपर दिए हुए पद्य को सूर -ताल के साथ गाने हेतु प्रेरित करेंगे । पद्य के संदर्भ में निहित विविध कृतियों द्वारा पद्य की विशेषताएँ ढूँढ़ने हेतु छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे।**

आओ अभ्यास करें

शिक्षक छात्र को उपरोक्त पद्य के आधार पर निम्नलिखित कृतियाँ करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा छात्रों को अन्य विविध कविताओं की सहायता से कविता का आशय स्वयं समझने के लिए प्रेरित करेंगे।

कृति :

1. उत्तर लिखिए :
   1. काँटे बोने वाले _____ 2. चुभने वाली _____
   3. फटने वाले _____
2. कविता में आए इस अर्थ के शब्द लिखो :
   1. मधु - 2. कड़वे -
   3. विचार - 4. आवश्यकता -
3. **वाणी मे शहद खोलना सीख लीजे, जरा प्यार से बोलना सीख लीजे। इन काव्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।**

आओ सृजन करें

1. मधुर वाणीं पर आधारित काव्यलेखन कीजिए।
2. 'वाणी की मधुरता सामने वाले का मन जीत लेती है' इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

पूरक साहित्य स्रोत

कक्षा आठवीं बालभारती, हिंदी की पाठ्यपुस्तक से
'जरा प्यार से बोलना सीख लीजे', ' अनमोल वाणी'
इन कविताओं का तथा 'जीभ का वर्चस्व'
इस लघुकथा का पठन कीजिए।

दिन - 2

क्षेत्र – श्रवण, पठन, लेखन, भाषण

अपेक्षित कौशल : लेखन

छात्र अपने विचार व्यक्त करने का प्रयास करेंगे ।

छात्र साहित्य को समझदारी से पढ़ने और उसका आनंद लेने में सक्षम बनेंगे ।

संकल्पना – पद्य

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित उदाहरण की सहायता से विचार विमर्श करेंगे तथा छात्रों को निजी स्तर पर पद्यांश का आकलन करने हेतु प्रेरित करेंगे ।

पुलक प्रकट करती है धरती
हरित तृणों की नोकों से ।
मानो झूम रहे हैं तरु भी
मंद पवन के झोंकों से ।

शिक्षक छात्रों को निम्नलिखित कृति के आधार पर कविता का **विश्लेषण** समझाएँगे ।

SCERT MAHARASHTRA

कृति-

1. निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त पर्यायवाची शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

1. रोमांच --------- 2. वसुंधरा--------- 3. वृक्ष ------- 4. हवा --------

2. उपरोक्त काव्यपंक्तियों में पर्यायवाची शब्दोँ का उपयोग करके होनेवाले परिवर्तन के साथ काव्य पंक्तियाँ फिर से लिखिए।

आओ सक्षम बनें

शिक्षक इस संकल्पना को दृढ करने हेतु सर्वसमावेशक पद्यांश को चुनकर छात्रों के गुट बनाकर पद्य विश्लेषण करने हेतु प्रेरित करेंगे।

क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह
है क्या ही निस्तब्ध निशा।
है स्वच्छंद- सुमंद गंध वह
निरानंद है कौन दिशा ?

शिक्षक छात्रों को उपर दिए हुए पद्यांश को सूरताल के साथ गाने हेतु प्रेरित करेंगे। पद्य के संदर्भ में निहित विविध कृतियों द्वारा पद्यांश की विशेषताएँ ढूँढ़ने हेतु छात्रों को मार्गदर्शन करेंगे।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति

1. पद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

   1. **गंदा** x ----- 2. हलचल x ------ 3. उषा x -------

2. 1. चाँदनी ऐसी है -

   2. गंध ऐसी है -

   3. दिशा ऐसी है -

3. उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

आओ अभ्यास करें

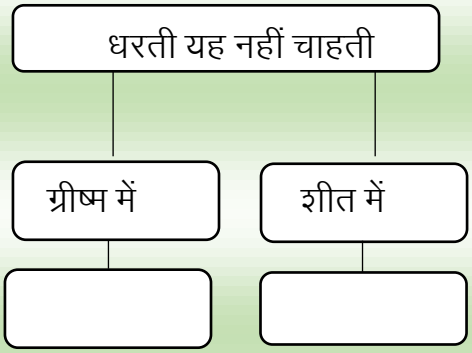
वत्स ! वृक्ष मेरे हाथ हैं मत काटो इन्हें
जिन्हें फैलाकर बादलो से पानी माँगती रही सदियों से तुम्हारे लिए।
मुझे नहीं चाहिए ग्रीष्म मे छाँव, शीत में ओढना बारिश मे छाता।
सदियों से पीठ पर बोझ लादे हुए हूँ और तुम हो जो मेरे हाथ काट रहे हो।
वत्स!मत काटो मेरे हाथ जो ताजी हवा
ताजे फल जडी - बुटी और जीवन देते रहे तुम्हें।
कट जायेंगे यदि मेरे सारे हाथ
उस दिन न पानी मिलेगा अनाज

शिक्षक छात्रों को उपरोक्त पद्य के आधार पर निम्नलिखित कृतियाँ करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा छात्रों को अन्य विविध कविताओं की सहायता से कविता का आशय स्वयं समझने के लिए प्रेरित करेंगे।

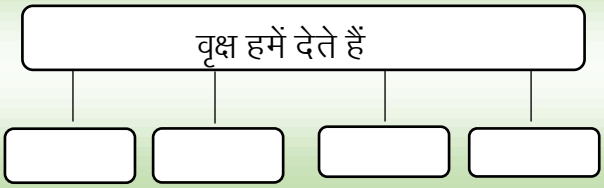
कृति :

1. पद्यांश मे सूचित प्रमुख समस्या-
2. वृक्ष इसके हाथ हैं -

3.



4.



आओ सृजन करें

1. 'पेड़ की आत्मकथा' विषय पर निबंध लेखन कीजिए।
2. 'पेड़ बचाओ वृक्ष लगाओ' इस विषय का पोस्टर या चित्र तैयार कीजिए।

पूरक साहित्य स्त्रोत

'पर्यावरण और हम' राजीव गर्ग द्वारा लिखित निबंध पढ़िए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 3

क्षेत्र - श्रवण, संभाषण ,मौखिक भाषा विकास

अपेक्षित कौशल *– छात्र ध्यानपूर्वक ,समझकर श्रवण करेंगे |
*छात्र अपने शब्दों में व्यक्त होंगे |
*छात्र एक दूसरे से वार्तालाप (संवाद) करेंगे |
संकल्पना : गद्य

आओ पता करें

अध्यापक निम्नलिखित उदाहरणों की सहायता से छात्रों से पूछकर या गटचर्चा द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित कर उनमें आत्मविश्वास निर्माण करेंगे|

* अध्यापक एक हास्य व्यंग की कहानी पढ़कर छात्रों को सुनाएँगे |
(बिल्ली का बिलंगुडा)
* अध्यापक छात्रों को सुनी कहानी अपने शब्दों में बताने के लिए कहेंगे |
*अध्यापक छात्रों के गुट बनाकर घटना, प्रसंग तथा कुछ शब्द, चित्र देकर कक्षा में संवाद या गुटचर्चा कराएँगे |

अध्यापक छात्रों को " गलतफहमी " शब्द देकर उनकें मत / विचार जान लेते हैं |

*गलतफहमी का अर्थ क्या होगा ?
*यह शब्द किस भाषा से आया होगा ?
*किसी ठीक बात को गलत क्या समजते है ?
*बिल्ली के बारे में क्या-क्या गलतफहमियाँ हैं ?
*आप किसी गलतफहमी के शिकार बने हैं क्या ?

(रचनात्मक प्रश्न पूछकर अध्यापक "गलतफहमी " का अर्थ छात्रों से जान लेंगे | जो बिल्ली के बिलंगुडा से हैं|)

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति:

१. घर में बिल्ली पालने के कारण .....

*

*

*

*

- **शब्दकोश या गुगल की सहायता से निम्नलिखित शब्दों के विलोम खोजिए और नए वाक्य बनाइए |**

1. समझदार — ..... 2. अल्पभाषी— .....

3. पुरानी — ..... 4. समर्थन — .....

5 . दुर्लभ — ..... 6. शुष्क — .....

- **अध्यापक उपर्युक्त कृतियाँ हल करवाएँगे।**
- **अध्यापक बिल्ली का बिलंगुडा तथा अन्य प्राणियों, पंछियों जैसे- चमगादड , छिपकली ,उल्लू आदि के बारे में होनेवाली गलतफहमियों पर चर्चा करेंगे| अनुभव कथन करावा लेंगे |**

अभिव्यक्ति लेखन-:

प्राणी हमसे कहते हैं , 'जियो और जीने दो'।

आओ सक्षम बनें

उन दिनों दिल्ली में बड़ी सनसनी फैली हुई थीं | नगर के सभी भागों से बच्चों के उठाएं जाने की खबरें आ रही थीं | एक-दो बार पत्रों में यह छापा की जमुना के पुल पर आदमी पकडे गए | जिन्होंने बोरियों में बच्चे बंद किये हुए थे | स्कूलों से बच्चे बहुत सावधानी से लाये जाते थे | पार्कों में और बाहर गलियों में बच्चों का खेलना कूदना बंद हो गया था|

SCERT MAHARASHTRA PUNE

अध्यापक छात्रों की उपर्युक्त परिच्छेद पर चर्चा करवाएँगे | समाज में लोग कौन-कौनसी गलतफहमियों के शिकार होते हैं ? इसी आधार पर अंधविश्वास गलत परंपराएँ, पूर्वग्रह आदि पर सक्षमता से विचारविमर्श किया जाएगा |

आओ अभ्यास करें

- **अध्यापक उपर्युक्त परिच्छेद के आधार पर कृतियाँ करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा अन्य अनुभव, अंध परंपराएँ या पूर्वग्रह तथा वैज्ञानिक तत्त्व समझाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे |**

कृति -

उत्तर लिखिए :

1. दिल्ली में फैली सनसनी .....
2. एक नदी का नाम .....
3. इसमें अनाज रखा जाता है.....
4. बाग के लिए अंग्रेजी शब्द .....
5. कथा कहानियाँ और धारावाहिकों मे आनेवाली अंधश्रद्धाएँ.....

आओ सृजन करें

1. किसी पशु चिकित्सक से बिल्ली और शेर के बारे में गलतफहमियाँ और विज्ञान इसपर चर्चा कीजिए |
2. शेखचिल्ली की कहानी पढ़कर अपने शब्दों में कथन कीजिए |
3. गधा, पेटू , पंडित इन शब्दों के आधार पर हास्यकथा लिखिए|

पूरक साहित्य स्त्रोत

बीमार न होने का दुख लतिफ घोंघी की कहानी
प्राप्त कर के पढ़ें ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन :- 4

क्षेत्र - श्रवण, भाषण , लेखन, कथन

अपेक्षित कौशल – 1. स्वयंअभिव्यक्ति लेखन

2. विचारानुरूप परिच्छेद लेखन ।

3. विधा के अनुसार लेखन करना ।

4.स्वयंस्फूर्त लेखन।

5.छोटी कहानी कविता लेखन।

आओ पता करें

- अध्यापक एक मजेदार कहानी सुनाते /कथन करते हैं
- छात्रों से कहानी विधा के बारे में प्रश्न पूछते हैं।
- कहानी, कथा, उपन्यास और आख्यायिका आदि पर चर्चा करते हैं।
- कहानी कल्पनाशक्ति, नवनिर्मिति सृजनशीलता के तौर पर कहानी के मूल तत्त्व का विस्तार करवाते हैं।
- कहानी के मुख्य अंगों के बारे में चर्चा करवाते हैं।
- शीर्षक, कहानी के मुद्दों का विस्तार, कहानी से प्राप्त सीख , प्रेरणा ,और संदेश ।
- इन अंगों के बारे में छात्रों के विचार या स्वमत जान लेते हैं।

कहानी लेखन के प्रकार :

1. असंबद्ध शब्दों के आधार पर
2. मुद्दों के आधार पर
3. सुवचन /कहावतों के आधार पर

कहानी के मूल तत्त्व :

पात्र, संवाद, प्रसंगानुसार भाषा, वातावरण,उद्धरण, विराम चिह्न, विचारानुरूप परिच्छेद ।सीख

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

हरिपुर गांव में कुछ लड़कियाँ थीं। सभी लड़कियाँ पढ़ने में बहुत होशियार थीं। लेकिन उस गाँव में हर साल सूखा पड़ता था। अकाल के कारण पानी का दुर्भिक्ष होता रहता था। लड़कियाँ घर के कामों में हरदम सहायता किया करती थीं कभी-कभी तो बहुत दूर से पानी लाना पड़ता था। और इस कारण पढ़ाई के लिए उन्हें बहुत कम समय मिलता था ।

एक दिन एक लड़की कुएँ में पानी निकालते वक्त गिरते-गिरते बच गई ।

इस पर सभी लड़कियों ने मिलकर चर्चा की कि हम हरदम दूर से पानी लाते हैं; गांव में पानी का दुर्भिक्ष है। आज हमारी सहेली कुएं में गिरते-गिरते बच गई। इस समस्या के लिए हमें कुछ उपाय खोजना चाहिए। इसलिए वह गांव वालों के पास चली गई उन्होंने सारी कहानी गाँव वालों को और मुखिया को बताई। और उन्होंने कहा कि हम सभी गाँव वालों से थोड़ा-थोड़ा चंदा जमा कर गाँव में ही कुआं खोद देंगे। पानी की बचत करेंगे और अपने ही गाँव में पानी की सुविधा उपलब्ध करेंगे ।

- **अध्यापक यह कहानी छात्रों को पढ़ने के लिए देते हैं।**
- **इस आधार पर अध्यापक कहानी के विभिन्न अंगों पर चर्चा करवाते हैं।**
- **ऐसी ही अन्य कहानी कथन करने के लिए प्रेरित करते हैं।**
- **किसी से कहानी कथन तो किसी से कहानी वाचन करवाते हैं।**

आओ अभ्यास करें

कृति

- **अध्यापक छात्रों को शब्द देकर कहानी लेखन के लिए प्रेरित करते हैं।**

1. शब्दों के आधार पर कहानी लेखन ।
   मिट्टी, चाँद , खरगोश ,कागज
2. सुवचन के आधार पर कहानी लेखन ।
   परहित सरिस धर्म नहिं भाई

आओ सृजन करें

- **निम्नलिखित शब्द अगर आप से बातें करने लगेंगे तो क्या बातें करेंगे यह कल्पना करते हुए कहानी लिखिए।** अलमारी , गिलहरी ,चावल के पापड़ ,छोटा बच्चा !

❖ **पूरक साहित्य स्त्रोत -**

शरद जोशी लिखित 'अतिथि तुम कब आओगे' , हास्य व्यंग्य कहानी पढ़िए तथा सुनाइए ।

जंगल की कहानियाँ यह कहानी संग्रह ई बुक खोजकर एक एक कहानी अपने दोस्तों को सुनाइए।

SCERT MAHARASHTRA

दिन- 5

क्षेत्र - श्रवण, वाचन, मौखिक भाषा

अपेक्षित कौशल -

- ध्वनिमुद्रित की हुई रचना छात्र ध्यानपूर्वक, समझकर श्रवण करेंगे।
- छात्र कविता का सुस्वर गायन करेंगे ।
- छात्र कविता का सृजन करने की कोशिश करेंगे ।

संकल्पना : पदय

आओ पता करें

- अध्यापक निम्नलिखित कविता की सहायता से छात्रों से संवाद करके या गुटचर्चा करवा के पद्य विधा की जानकारी लेंगे।
- पद्य विधा में रुचि पैदा करने के लिए गुटचर्चा द्वारा प्रोत्साहित कर छात्रों में आत्मविश्वास निर्माण करेंगे।

किताबें झाँकती है ,बंद अलमारी के शीशां से,
बड़ी हसरत से तकती हैं।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होती,
जो शामे उनकी सोहबत में कटा करती थी
अब अक्सर...

SCERT MAHARASHTRA PUNE

- अध्यापक उपर्युक्त कविता का सुस्वर प्रकट गायन करेंगे ।
- छात्र ध्यानपूर्वक, समझकर श्रवण करेंगे ।
- अध्यापक छात्रों से कविताका सुस्वर समूह गायन (पठन)करवाएँगे ।
- इसी प्रकार अध्यापक छात्रों को अन्य कविता का गायन करने को प्रोत्साहित करेंगे ।
- कविता में किस विषय पर प्रकाश डाला गया है। छात्र को कौनसी पंक्तियाँ पसंद आई, आदि पर चर्चा करेंगे ।

अध्यापक उदाहरण के लिए और एक कविता का सुस्वर पठन करेंगे ।

उदा . 2

बदला-बदला सा मौसम है
बदले-से लगते हैं सुर ।
दीदा फाडे शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर

- अध्यापक छात्रों को कविता का सुस्वर पठन करने के लिए कहेंगे ।
- कृतियों द्वारा अध्यापक विश्लेषण ।

SCERT MAHARASHTRA

कृति:

1) तुलना करो :

गाँव	शहर

2) कविता में आए शब्द युग्म : 1)_____

2)_____

3) समानार्थी शब्द लिखिए : 1)दीदा - _____

2)शहर - _____

आओ सक्षम बनें

अध्यापक कविता द्वारा प्रकट होनेवाले विविध मनोभाव तथा व्याकरण घटक को समझाएँगे। विविध कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे।

कृति:

1) कविता में आए उर्दू शब्दों के अर्थ लिखिए :

1) हसरत -_____

2) सोहबत -_____

2) कविता के आधार पर वाक्य पूर्ण कीजिए :

1) किताबें झांकती है _____।

2) महीनों अब _____।

आओ अभ्यास करें

कृति:

1) कविता में आए विराम चिन्ह पहचान कर उनके नाम लिखिए:

1)_____

2)_____

2) विलोमअर्थी शब्द लिखिए:

1)सुबह x _____

2)अक्सर x _____

3) कविता में आए वस्तु की विशेषताएँ लिखिए:

_____

आओ सृजन करें

- अध्यापक छात्रों को आकाश, तारे, बरसात आदि शब्द देकर उनपर कविता करने को प्रोत्साहित करेंगे ।
- अन्य भाव जैसे आनंद ,हास्य ,महत्त्व आदि पर भी कविता करने को प्रोत्साहित करेंगे ।

पूरक साहित्य स्रोत

- कक्षा सातवीं तथा आठवीं की हिंदी की पाठ्यपुस्तक में आई कविताओं का उचित अरोह-अवरोह के साथ प्रकट वाचन कीजिए।
- कवि गुलजार की अन्य कविताओं का पठन कीजिए।

दिन-6

क्षेत्र - श्रवण ,पठन ,लेखन ,भाषण

अपेक्षित कौशल -

- छात्र एकाग्रता से, समझकर श्रवण करेंगे।
- छात्र कविता का पठन करेंगे ।
- छात्र पद्य विधा को समझकर सूक्ष्मता से कविता का रसास्वाद लेने में सक्षम बनेंगे।

संकल्पना-पद्य

आओ पता करें

- अध्यापक निम्नलिखित कविता की सहायता से छात्रों से विचार-विमर्श करेंगे पद्य विधा का पूर्वज्ञान जाँच लेंगे।
- अध्यापक कविता के उद्देश्य पर छात्रों में गुटचर्चा करके छात्रों में आत्मविश्वास निर्माण करेंगे।

वह सारे उधड़े-उधड़े हैं,
कोई सफा पलटता तो इक सिसकी निकलती है,
कई लफ्जों के मानी गिर पड़े हैं
बिना पत्तों के सूखे-टुंड लगते हैं वो सब अल्फाज,
जिन पर अब कोई मानी नहीं उगते...

जुबां पर जो जायका आता था जो सफा पलटने का
अब उँगली 'क्लिक' करने से बस
झपकी गुजरती है
बहुत कुछ तह-ब-तह खुलता चला जाता है परदे पर,
किताबों से जो जाती राब्ता था, कट गया है.

SCERT PUNE

- अध्यापक छात्रों को उपर्युक्त पद्यांश सुस्वर सुनाएँगे।
- अध्यापक छात्रों को सुस्वर प्रकट पठन करने को प्रेरित करेंगे।
- अध्यापक छात्रों को निम्नलिखित प्रश्न पूछकर आशय समझ लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

1) आपका प्रिय शौक कौन-सा है ?
2) आपको किताबें पढ़ना अच्छा लगता है क्या?
3) आपने कौन-कौनसी किताबें पढ़ी है ?
4) आपकी सबसे प्रिय किताब का नाम क्या है ?
5) आपके प्रिय लेखक कौन है

आओ सक्षम बनें

शिक्षक इस संकल्पना को और दृढ़ करने के उद्देश्य से सर्वसमावेशक पद्यांश को चुनकर छात्रों के गुट बनाकर पद्य विश्लेषण हेतु प्रोत्साहित करेंगे।

वाणी में शहद घोलना सीख लीजे,
जरा प्यार से बोलना सीख लीजे।

चुप रहने के, यारों बड़े फायदे हैं,
जुबाँ वक्त पर खोलना सीख लीजे

- अध्यापक छात्रों को उपर्युक्त गद्यांश को सुस्वर गाने हेतु प्रेरणा देंगे।
- अध्यापक पद्य के संदर्भ में निहित विविध कृतियों द्वारा पद्यांश के विश्लेषण हेतु छात्रों को मार्गदर्शन करेंगे।

कृति:

1) कविता में आए इस अर्थ के शब्द लिखिए:

अर्थ	शब्द
मधु	
प्रेम	
शब्द	
समय	

2) चुप रहने के दो फायदे लिखिए:

1) _____

2) _____

4) कविता की पहली चार पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

आओ अभ्यास करें

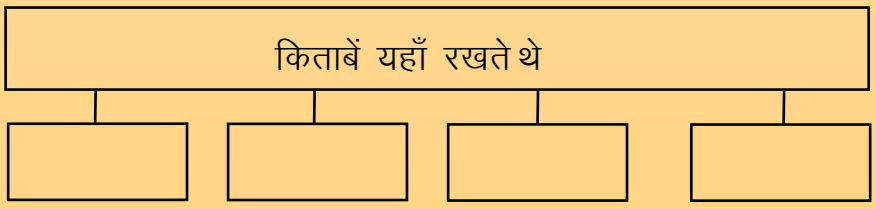
कृति:

1) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

1) जायका -_____

2) इल्म -_____

2)



3) किताबें कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए:

आओ सृजन करें

कृति:

1) 'किताब की आत्म कहानी' इस विषय पर निबंध लिखिए:

2) 'किताब हमारे मित्र, मार्गदर्शक' इस पर घोषवाक्य तैयार कीजिए।

पूरक सामग्री स्त्रोत

- सफदर हाश्मी रचित 'किताबें कुछ कहना चाहती है' कविता सुनिएँ ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 7

क्षेत्र - श्रवण, संभाषण, लेखन

अपेक्षित कौशल - एकाग्रता पूर्वक सुनना।
पहेलियों के हेतू पर चर्चा करना।
नियत प्रकारों पर स्वयंस्फूर्त लेखन।

आओ पता करें

· अध्यापक निम्नलिखित मुकरियों की पहली केवल तीन पंक्तियां बता कर वह वर्णन किसका हो सकता है इस पर चर्चा करवाएँगे ।

· सहेली पहली तीन पंक्तियों द्वारा जिसका वर्णन किया गया उस अपनी बात से कैसे मुकर जाती है यह बताते हुए मुकरियाँ काव्य विधा पर चर्चा करेंगे।

रात समय वह मेरे आवे।
भोर भए वह घर उठी जावे।।
यह अचरज है सबसे न्यारा।
ऐ सखि साजन? ना सखि तारा।।

वह आवे तब शादी होय।
उस दिन दूजा और न कोय।।
मीठे लागे वा के बोल।
ऐ सखि साजन? ना सखि ढोल।।

· अध्यापक उपर्युक्त पहेली का सस्वर वाचन करेंगे।

· छात्र एकाग्रता से कविता सुनेंगे।

· अध्यापक पहेलियों के उद्देश्य पर छात्रों में गुट चर्चा करेंगे।

· 'जीवन में हाजिर जवाबी गुण का महत्व' इस पर चर्चा करेंगे।

अध्यापक उदाहरण द्वार छात्रों में दो सखियों में किस विषय पर चर्चा हो रही होगी इस पर चर्चा करने को कहेंगे और छात्र मुकरी का अर्थ छात्र समझे या नहीं यह देखेंगे।

आओ सक्षम बनें

अध्यापक पाठ्येतर मुकरियाँ / पहेलियाँ बताने तथा बुझाने के लिए कहेंगे।

उदा.

1. बरसा बरस वह देश में आवे।
   मुँह से मुँह लाग रस प्यावे।।
   वाह के खातिर मैं खरचे दाम।
   अरे सखि साजन? ना सखि आम।।

उदा.

2. नंगे पाँव फिरन नहीं देत।
   पाँव से मिट्टी लगन नहीं देत।।
   पाँव का चुमा लेत निपूता ।
   ऐ सखि साजन? ना सखि जूता।।

आओ अभ्यास करें

अध्यापक कविता पर कृतियाँ हल करने तथा कविता का भावार्थ कैसे समझें इसका अभ्यास कराएँगे।

कृति –
मुकरियों के आधार पर निम्नलिखित शब्दों की विशेषता लिखिए।

1. तारा
2. ढोल

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सृजन करें

अध्यापक छात्रों को नई पहेलियाँ बनाने के लिए कहेंगे।

जैसे–

वह जब मुझसे मिलने आवे।
वह मेरी साँसे फूलावे।।
वाके कारण पड़े तड़पाना।
ऐ सखि साजन? ना सखि कोरोना।।

पूरक पठन स्त्रोत

अंतरजाल से भारतेंदु हरिश्चंद्र की मुकरियों का पठन करें।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन – 8

क्षेत्र – श्रवण, संभाषण, लेखन

अपेक्षित कौशल–

- छात्र कविता का रसग्रहण करते हुए कविता सुनेंगे।
- छात्र स्पष्ट भाषा में अपनी अनुभूतियों को प्रकट करेंगे।
- छात्र रूपरेखा एवं शब्द संकेतों के आधार पर लेखन करेंगे।

आओ पता करें

- **अध्यापक छात्रों को निम्नलिखित कविता का सस्वर वाचन तथा गायन करने के लिए प्रेरित करेंगे**
- **अध्यापक छात्रों को जीवन में बुद्धि चातुर्य की आवश्यकता पर चर्चा करवाएँगे।**

जब मांगू तब जल भरि लावे।
मेरे मन की तपन बुझावे।।
मन का भारी तन का छोटा।
ऐ सखि साजन? ना सखि लोटा।।

बेर बेर सोवत ही जगावे।
ना जागू तो कांटे खावे।।
व्याकुल हुई मैं हक्की-बक्की।
ऐ सखि साजन? ना सखि मक्खी।।

पहेलियों से मनोरंजन के साथ- साथ बुद्धि चातुर्य की भी परीक्षा होती है इस पर छात्र चर्चा करेंगे।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

- अध्यापक छात्रों को स्वयं अध्ययन के लिए कविता देकर क्षमताओं को दृढ करेंगे।
- अध्यापक छात्रों को गुटों में विभाजित करके किसी अन्य कविता का पद्य विश्लेषण / रसग्रहण करने हेतु प्रेरित करेंगे।

उदा.

सभी गुरुजनों को बुरो बता वे।
अपनी खिचड़ी अलग पकावे।।
भीतर तत्व ना झूठी तेजी।।
ऐ सखि साजन ? नहीं अंग्रेजी।।

आओ अभ्यास करें

अध्यापक छात्रों को कविता के आधार पर निम्नलिखित कृतियों को हल करते हुए कविता का आशय समझ लेने की क्षमताओं का दृढ़िकरण करेंगे।

कृति -

अ) निम्नलिखित कृति पूर्ण कीजिए।

1) लोटे का कार्य :- 1. ..... 2. .....

2) मक्खी यह करती है -

1. ..... 2. .....

आ) निम्नलिखित शब्दों का उत्तर एक शब्द में लिखिए।

1. मन की तपन बुझाने वाला .....

2. सोने वाले को बार-बार जगानेवाली .....

MAHARASHTRA PUNE

आओ सृजन करें

- अध्यापक छात्रों को गाँव के नामों पर आधारित पहेलियाँ बनाने के लिए कहेंगे।

  (अक्कलकोट, सिंधुदूर्ग)

- अध्यापक छात्रों को घर के बुजुर्गों की सहायता से पहेलियों का संग्रह करने को कहेंगे।

पूरक पठन स्त्रोत

काका हाथरसी जी की हास्य-व्यंग्य कविताएँ पढें।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन – 9

क्षेत्र – श्रवण, भाषण-संभाषण, लेखन

अपेक्षित कौशल – छात्र लघुकथा सुनने-सुनाने में रूचि लेंगे | छात्र विनम्रता एवं दृढ़तापूर्वक किसी विचार के बारे में मत व्यक्त करेंगे, सहमति-असहमति प्रकट करेंगे |

संकल्पना :- पूरक पठन

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित उदाहरणों की सहायता से छात्रों को निरीह सेवाभाव का एहसास करवाते हैं | छात्र अपने विचार व्यक्त करेंगे |

दिसंबर-जनवरी की हाड़ कँपाती ठंड हो, झमाझम बरसती वर्षा या उमस भरी गरमी की रातें। हर मौसम में रात बारह बजे के बाद चौकीदार नाम का यह नि रीह प्राणी सड़क पर लाठी ठोकते, सीटी बजाते; हमें सचेत करते हुए कॉलोनी में रात भर चक्कर लगाते रोज सुनाई पड़ता है।

हर महीने की तरह पहली तारीख को हल्के से गेट बजाकर खड़ा हो जाता है, –'साब जी, पैसे?'

"कितने पैसे ?" वह उससे पूछता है।

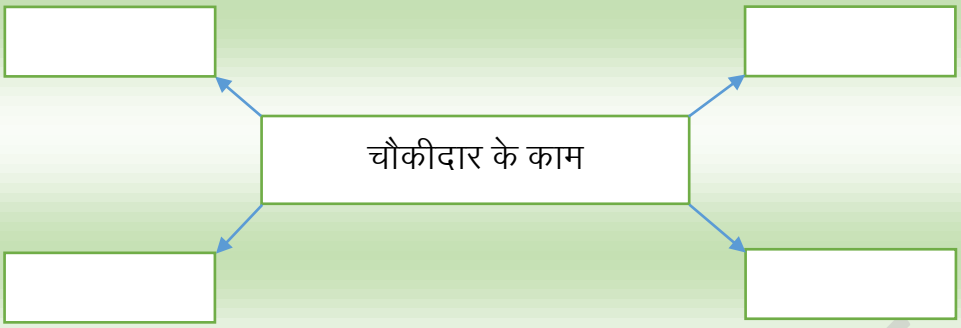
'साब जी, एक रुपया रोज के हिसाब से महीने के तीस रुपए। आपको तो मालूम ही है।'

'अच्छा एक बात बताओ बहादुर, महीने में तुम्हें कितने घरों से पैसे मिल जाते हैं ?'

'साब जी यह पक्का नहीं है, कभी साठ घर से कभी पचास से। तीज-त्योहार पर बाकी घरों से भी कभी कुछ मिल जाता है। इतने में ठीकठाक गुजारा हो जाता है हमारा।'

शिक्षक पेशेवर व्यक्तियों के कामों के बारे में चर्चा करवाएँगे।

कृति :



आओ सक्षम बनें

बहुमंजिला इमारत की दीवार नींव से उठ रही थी। ठेकेदार नया था। भयभीत-सा वह एक तगारी सीमेंट और पाँच तगारी रेत के मसाले से ईंटों की जुड़ाई करवा रहा था। अगले दिन अधिकारी महोदय आए। उन्होंने काम के प्रति घोर असंतोष व्यक्त किया। महोदय बोले-"ऐसा काम करना हो तो कहीं और जाइए।"

अगले दिन सशंकित नये ठेकेदार ने एक तगारी सीमेंट और तीन तगारी रेत के मसाले से ईंटों की जुड़ाई की। संबंधित अधिकारी आए। उन्होंने नींव की दीवार पर एक निगाह डाली और गरम हो गए। इस बार ठेकेदार को अंतिम चेतावनी दी, 'यदि कल तक काम में पर्याप्त सुधार नहीं किया गया तो काम बंद करवा दिया जाएगा।'

जब नये ठेकेदार की समझ में बात नहीं आई तो उसने एक अनुभवी ठेकेदार से इस समस्या पर उसकी सलाह चाही। अनुभवी ठेकेदार ने बताया कि ये महोदय रिश्वत चाहते हैं। इसीलिए काम में कमी बता रहे हैं। नया ठेकेदार ईमानदार था। वह रिश्वत देने-लेने को अपराध समझता था। उसने भ्रष्ट अधिकारी को पाठ पढ़ाने का निश्चय कर लिया।

शिक्षक कथा का कुछ अंश छात्रों को पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक पढ़ते हैं।

आओ अभ्यास करें

कृति : उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

अ	उत्तर	आ
1. बहुमंजिला	_____	अपराध
2. नया ठेकेदार	_____	इमारत
3. अधिकारी	_____	ईमानदार
4. रिश्वत देना-लेना	_____	भ्रष्ट

- विनम्रता सारे सद्‌गुणों की नींव है विषय पर अपने विचार लिखिए।

आओ सृजन करें

अपने परिसर के चौकीदार द्वारा किए गए अच्छे कार्य के लिए अभिनंदन करनेवाला पत्र लिखिए।

पूरक पठन स्रोत

प्रेमचंदजी की 'अपनी करनी' यह कथा पढ़ो।

SCERT MAHARASHTRA

दिन – 10

क्षेत्र – श्रवण, भाषण-संभाषण, लेखन

अपेक्षित कौशल – छात्र किसी विशेष क्षण / प्रसंग को सुनेंगे-सुनाएँगे | छात्र सुने हुए अंशों पर विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया देंगे |

संकल्पना :- पूरक पठन

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित परिच्छेद पर विचार-विमर्श करवाते है | अध्यापक अपना काम विनम्रता और लगन से करना चाहिए इस पर चर्चा करवाते है |

'हाँ साब जी, चौकसी रखना तो मेरी जिम्मेदारी है। मैं केवल पैसे के लिए ही काम नहीं करता। फिर उनकी चौकसी रखना तो और जरूरी हो जाता है। भगवान नहीं करे, यदि उनके घर चोरी-वोरी की घटना हो जाए तो पुलिस तो फिर भी हमसे पूछेगी न। और वे भी हम पर झूठा आरोप लगा सकते हैं कि पैसे नहीं देते इसलिए चौकीदार ने ही चोरी करवा दी। ऐसा पहले मेरे साथ हो चुका है साब जी।'

'अच्छा ये बताओ, रात में अकेले घूमते तुम्हें डर नहीं लगता ?'

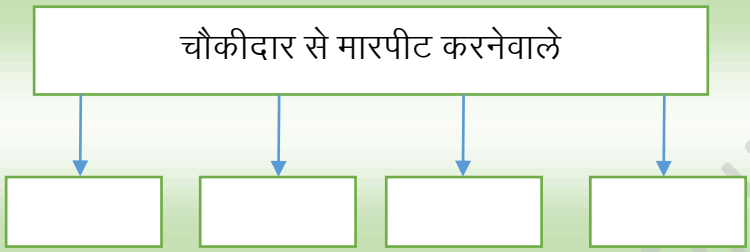
'डर क्यों नहीं लगता साब जी, दुनिया में जितने जिंदे जीव हैं, सबको किसी न किसी से डर लगता है। बड़े आदमी को डर लगता है तो फिर हम तो बहुत छोटे आदमी हैं। कई बार नशे-पत्तेवाले और गुंडे-बदमाशों से मारपीट भी हो जाती है। शरीफ दिखने वाले लोगों से झिड़कियाँ, दुत्कार और धौंस मिलना तो रोज की बात है।'

'अच्छा बहादुर, सोते कब हो तुम ?' वह फिर प्रश्न करता है।

'साब जी, रोज सुबह आठ-नौ बजे एक बार कॉलोनी में चक्कर लगाकर तसल्ली कर लेता हूँ कि सबकुछ ठीक है न, फिर कल की नींद पूरी करने और आज रात में फिर जागने के लिए आराम से अपनी नींद पूरी करता हूँ। अच्छा साब जी, अब आप पैसे दे दें तो मैं अगले घर जाऊँ।'

शिक्षक कर्तव्यनिष्ठा के बारे में छात्रों को अवगत कराएँगे ।

कृति :



- किसी परिचित सुरक्षा रक्षक से वार्तालाप कीजिए :

आओ सक्षम बनें

बरसाती गंदे पानी से सनी चप्पलें पहिने कल्लू को अपने घर में अंदर घुसते देख शोभा आंटी ने अचानक काली रूप धारण कर लिया और उसकी कनपटी पर एक तमाचा जमाते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया।

'रमाबाई तुमसे कितनी बार मना किया है कि अपनी संतानों को यहाँ मत लाया करो । सारा धुला-पुँछा घर जंगल बना देते हैं।' आंटी ने अपनी कामवाली बाई को डाँटते हुए कहा।

'आगे से नईं लाऊँगी मेमसाब... मैं लाती नहीं पर क्या करुँ ये छोटा वाला मेरे पीछे-पीछे लगा रहता है... अपनी आँख में भर आए पानी को रोकते हुए घर के बाहर खड़े होकर कनपटी सहलाते कल्लू की तरफ देख बेबस रमाबाई बोली। रमाबाई ने चुपचाप पोंछा लेकर पायदान के पास बने कल्लू के तीनों पदचिन्हों को मिटा दिया। थोड़ी देर बाद आंटी का बेटा प्रसून स्कूल बस से निकल कीचड़ में जूते छप-छप करते घर में घुसा तो उसे देख आंटी का वात्सल्य भाव जाग उठा -

"हाय रे कितना बदमाश हो गया मेरा बच्चा!!!" और प्रसून को सीने से लगा लिया...

"सॉरी मम्मी फर्श गंदा हो गया ।" प्रसून ने ड्राइंग रूम के बीच में पहुँच कर मासूमियत से कहा।

शोभा आंटी उसकी स्कूलड्रेस उतारते हुए बोलीं -

- कोई बात नहीं बेटा 'दाग अच्छे हैं' है ना? अभी बाई फर्श साफ कर देगी डोंट वरी।

बाहर खड़ा कल्लू गंदे पानी से भीगी अपनी चप्पलें प्रसून के कीचड़ सने जूतों से मिला रहा था।

MAHARASHTRA PUNE

शिक्षक लघुकथा को पढ़ने के लिए कहेंगे। शिक्षक लघुकथा में प्रस्तुत दोहरे व्यक्तित्व पर चर्चा कराते हैं।

आओ अभ्यास करें

- कृति :- तालिका पूर्ण किजिए :

अच्छे लोगों के गुण	बुरे लोगों के गुण
1)	1)
2)	2)

- 'श्रमिक का जीवन' विषय पर अपने विचार लिखिए।

आओ सृजन करें

- **किसी पुलिस कर्मचारी का साक्षात्कार लेकर लिखिए।**

पूरक पठन स्त्रोत

कक्षा आठवीं की सुलभभारती हिंदी की पाठ्यपुस्तक से नींव इस लघुकथा का पठन कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 11

क्षेत्र - भाषण- संभाषण, वाचन , संवाद लेखन, व्याकरण

कौशल -

- छात्र संवाद वाचन सुनते हैं।
- छात्र उचित आरोह अवरोह के साथ संवादो का वाचन करते हैं।
- छात्र विरामचिह्नों के अनुसार वाचन करते हैं।

संकल्पना - एकांकी (गद्य)

आओ पता करें

अध्यापक निम्नलिखित संवादों का वाचन करवाएँ | अध्यापक विद्यार्थियों से इन उदाहरणों पर चर्चा करवाएँ | प्रश्न पूछे , जैसे यह उदाहरण कौन- सी विधा के हैं ?, इन्हें क्या कहते हैं ? ऐसे प्रश्नों द्वारा, चर्चा द्वारा अध्यापक जान सकेंगे कि विद्यार्थी इनसे परिचित हैं या नहीं |

उदाहरण - 1

ग्रामीण : लो भाई , इस बार तो यह लोहा ही हाथ लगा है |

लकड़हारा : (अपने लोहे की कुल्हाड़ी देखकर खुश हो उठता है |) तुम्हारा यह उपकार में जीवन भर नहीं भूलूंगा| भगवान तुम्हें सुखी रखें |

ग्रामीण : एक बात मेरी समझ में नहीं आई |

लाकड़हारा : वह क्या ?

- **अध्यापक ऐसे छोटे-छोटे संवादों के उदाहरण देकर ' एकांकी ' इस विधा से संदर्भ में समझाएँगे |**

उदाहरण – 2

नींदपरी : और यह सुनील ...यह घर में चार की कप प्लेटे तोड़कर और अपनी माँ से पीटकर सोया था |

रातराणी : इन्हें अपराध के अनुसार दंड देंगे (सुनील से) तुम्हें सफाई देनी होगी | समझे नहीं तो सजा दी जाएगी |

नींदपरी : यह अपनी माँ का कहना नहीं मानता | खाने के समय खाना नहीं खाता | यह खेलने के समय खेलता नहीं , पढ़ने के समय पढ़ता नहीं , कोई काम समय पर नहीं करता |

रातरानी : जवाब दो |

सुनील : (भोलेपन से) अच्छे बच्चे बड़ों को जवाब नहीं देते इसलिए मैं जवाब नहीं दूँगा |

- **अध्यापक विद्यार्थियों को संवादों का प्रकट वाचन करने के लिए कहेंगे | विद्यार्थी संवादों को समझने की कोशिश करेंगे | कृतियों द्वारा अध्यापक आवृत्ति करवाएँगे |**

कृति :

1) सुनील के कारनामे – 1) ---------- 2) ----------

2) कारण लिखिए –
सुनील का जवाब ना देना

3) संवाद में आया शब्द युग्म –

4) संवाद में आए समानार्थी शब्द –

आओ सक्षम बनें

गृहस्वामी : तो जूतों के पाँच रूबल और कट गए और हाँ दस जनवरी को मैंने तुम्हें दस रुबल दिए थे |

जूलिया : **(लगभग रोते हुए)** जी नहीं, आपने कुछ नहीं... **(आगे नहीं कह पाती)**

गृहस्वामी : अरे मैं क्या झूठ बोल रहा हूं ? मैं डायरी में हर चीज नोट कर लेता हूँ | तुम्हें यकीन न हो तो दिखाऊ डायरी ?

जूलिया : (आँसू पोंछती हुई) आप कह रहे हो तो आपने दिए ही होंगे |

गृहस्वामी : **(कडे स्वर में)** दिए होंगे नहीं – दिए हैं ...ठीक है |

- अध्यापक संवादों का उचित आरोह अवरोह के साथ वाचन करवाएँगे | संवादों द्वारा प्रकट होने वाले विविध मनोभाव तथा व्याकरण घटक को समझाएँगे |
- विविध कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

आओ अभ्यास करें :

कृति :

1) संवाद में आई मुद्रा का नाम -

2) संवाद में आए पात्रों के नाम -

3) संवाद में आए पात्रों की स्वभाव विशेषताएँ -

1) जूलिया - .....

2) गृहस्वामी - .....

* संवाद में आए विराम चिह्न तथा उनके नाम : 1) ..... 2) .....

आओ सृजन करें

- आकाश , धरती तथा पेड़ के बीच होने वाली बातचीत की कल्पना करते हुए संवाद लिखिए |

पूरक साहित्य स्रोत्र

कक्षा पाँचवी तथा छठी की हिंदी की पाठ्यपुस्तक में आए संवाद पाठों का उचित आरोह अवरोह के साथ प्रकट वाचन कीजिए |

दिन - 12

क्षेत्र - वाचन, लेखन, श्रवण, व्याकरण

कौशल - 1) छात्र संवाद वाचन करते हैं।

2) छात्र चर्चा करते हैं।

3) छात्र सूक्ष्मता से संवाद पढ़कर उसके भाव समझते हैं।

4) छात्र विरामचिह्नों का उपयोग करते हैं।

संकल्पना : गद्य - एकांकी

आओ पता करें

- **अध्यापक निम्नलिखित संवाद का वाचन करेंगे ,इस पर चर्चा करेंगे ,संवाद में किस तरह के भाव है, वे क्या दर्शाते हैं ? इस पर प्रश्न करेंगे | इस तरह विद्यार्थियों के ज्ञान संबंधी जानकारी प्राप्त करेंगे |**

उदाहरण एक :

अशोक : आओ , आज हम अपनी मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करें कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएँगे |

सब सैनिक : (तलवार खींचकर) मगध की जय ! सम्राट अशोक की जय !

पदमा : (आगे बढ़कर अपनी सेना से) म बहीनों ! तुम वीरकन्या ,वीरभगिनी और वीरपत्नी हो | मुझे तुमसे कुछ नहीं कहना है | जिस सेना ने तुम्हारे पिता , भाई ,पुत्र और पति की हत्या की है वह तुम्हारे सामने खड़ी है | आज उसी से तुम्हें लोहा लेना है |

अशोक : (स्वत:) यह कौन है ? क्या साक्षात् दुर्गा कलिंग की रक्षा करने के लिए युद्ध भूमि में उतर आई है ? शेष सैनिक भी सभी स्त्रियाँ हैं क्या स्त्रियों से भी युद्ध करना होगा ?

पदमा : मैं कलिंग महाराज की कन्या हूँ | मैं हत्यारे अशोक की सेना से लड़ने आई हूँ |

MAHARASHTRA PUNE

- अध्यापक विद्यार्थियों को प्रकट वाचन करने के लिए कहेंगे |
- विविध कृतियों द्वारा आवृत्ति कराएँगे |

कृति -

1) युद्ध इनमें हो रहा था 1) ------ 2) ---------

2) पदमा को दिया गया विशेषण ।

3) पदमा इससे द्वंद्व करना चाहती थी।

4) इन संवादों से उभर कर आने वाले भाव ।

आओ सक्षम बनें

जूलिया :(काँपते हाथों से रूबल लेती है | काँपते ही स्वर में) जी धन्यवाद !

गृहस्वामी :(अपना गुस्सा नहीं संभाल पाता , ऊँचे स्वर में लगभग चिल्लाते हुए) तुम ...तुम मुझे धन्यवाद दे रही हो जूलिया ? तुम्हें धोखा दिया है ...तुम्हारे पैसे हड़प लिए हैं

जूलिया : जी हाँ मालिक ...

गृहस्वामी :(गुस्से से तू चलाते तुतलाने लगता है)जी हाँ मालिक! जी हाँ मालिक क्यों क्यों जी हाँ मालिक !

जूलिया :(डर जाती है) मैंने जहाँ जहाँ काम किया, उन लोगों ने एक पैसा तक नहीं दिया .. आप कुछ तो दे रहे हैं |

गृहस्वामी : तुम्हें एक पैसा तक नहीं दिया जूलिया , मुझे इस बात के लिए माफ कर देना कि मैंने तुम्हारे साथ एक छोटा सा क्रूर मजाक किया.. जूलिया, क्या ये जरूरी है कि इंसान भला कह लाने के लिए इतना दब्बू भीरू और बोदा बन जाए कि उसके साथ जो अन्याय हो रहा है , उसका विरोध तक न करें ? बस , खामोश रहे और सारी ज्यादतियाँ सहता जाए ? अपने को बचाए रखने के लिए, तुम्हें इस कठोर, क्रूर , निर्मम और ह्रदयहीन संसार से लड़ना होगा | अपने दाँतों और पंजो के साथ लड़ना होगा पूरी शक्ति के साथ .. मत भूलो जूलिया , इस संसार में दब्बू और रीतीरिवाज लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है |

- अध्यापक उचित आरोह - अवरोह के साथ संवादों का वाचन करवाएँगे | संवादों में दिया गया संदेश बताएँगे |
- विविध कृति द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

आओ अभ्यास करें

कृति :

* कारण लिखिए :

१) जूलिया का मालिक को धन्यवाद कहना -

२) गृहस्वामी का गुस्सा होना -

* संसार की विशेषताएँ - 1) ..... 2) .....

* संसार से लड़ना के हथियार - 1) ..... 2) .....

* इन लोगों के लिए संसार में स्थान नहीं हैं - 1) ..... 2) .....

आओ सृजन करें

अभिव्यक्ति :

१) संसार में दब्बू और रीढ़रहित लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है, इस पर अपने विचार लिखिए |

२) भारत की वीरांगनाओ के संदर्भ में अंतरजाल से जानकारी प्राप्त कीजिए और अपनी कॉपी में लिखिए |

पूरक साहित्य स्रोत:

लेखक गोविंद शर्मा का मुकदमा हवा पानी का यह संग्रह प्राप्त करो और पढ़ो |

दिन - 13

क्षेत्र -श्रवण, लेखन, पठन

कौशल - 1) छात्र मध्ययुगीन भक्तिधारा के कवियों के साहित्य का समझपूर्वक वाचन करता है |

2) छात्र चिकित्सक विचार करते हुए स्वतंत्र रूप से लेखन करता है ।

संकल्पना - पद्य (दोहा)

आओ पता करें

अध्यापक छात्रोंको दोहा सुनाते ,छात्र दोहा सुनकर नए शब्द लिखता है|

अध्यापक दोहे का सही अर्थबोध होने की दृष्टि से मार्गदर्शन करते हैं|

दुर्लभ मानुष जन्म है, देह न बारम्बार

तरुवर ज्यों पत्ता झडें, बहुरि न लागे डार

1) एक शब्द में उत्तर दीजिए :

मनुष्य जन्म ऐसा है –

2) डाल शब्द के लिए दोहे में आया शब्द :

आओ सक्षम बनें

अध्यापक कबीर पाठ के उद्देश्य को समझाने हेतु एक रेखा पर चर्चा करते है |

ज्ञान का का गेंद कर सुर्त का डंड कर

खेल चौगान-मैदान माँहि

जगत का भरमना छोड दे बालके

आय जा भेष-भगवंत पाहि ।।

कृति: 1) प्रस्तुत पद्य में इसका महत्व बताया गया है- -

2) कबीर ने इसकी गेंद बनाने के लिए कहा है –

3) ईश्वर की प्राप्ति के लिए करना होगा .....

4) रेख्ता सुनिए : https://youtu.be/TdqgfBnIoRc

आओ अभ्यास करें

हम घर जारा अपना, लिया मुराडा हाथ

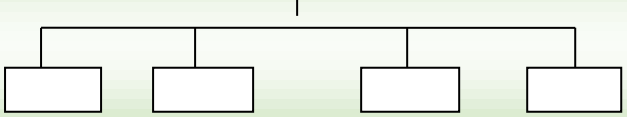
अब घर जारो तासु का, जो चले हमारे साथ

अध्यापक उपर्युक्त दोहे के आधार पर निम्नलिखित कृतियाँ करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा उदाहरणों की सहायता से पाठ का आशय समझाने की कोशिश करेंगे |

कृति : 1) कबीर इसे जलाने की बात करते है -

2) अर्थ स्पष्ट करो - घर जलाना

3) दोहे में आए सर्वनाम



आओ सृजन करें

1) हम ज्ञान कैसे प्राप्त करते हैं,संक्षेप में लिखिए |

2) तुलसीदास के जीवन का परिचय संक्षेप लिखिए |

3) अपने मन के भावानुसार पद्य पंक्ति पूर्ण कीजिए :

अ) महामारी को देखकर ,मन में बैठा डर |

||.....

आ) हाथ-पाँव धोए समयपर,सॅनिटायझर लगाय |

||.....

पूरक साहित्य स्त्रोत

- मंगेश पाडगावकर लिखित कबीर किताब पढ़ें |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 14

क्षेत्र -श्रवण, भाषण , लेखन

अपेक्षित कौशल – अध्यापक छात्रों को 'दोहे' पढ़कर सुनाते है।
छात्र विनम्रता एवं दृढतापूर्वक पाठ के मुद्दों के बारें में अपने विचार व्यक्त करते है ।
संकल्पना : गद्य

आओ पता करें

अध्यापक 'मस्तमौला' शब्द पर चर्चा करते है।
'मस्त' किसे कहा जाएगा?
'मस्त' शब्द से तैयार होनेवाले शब्द –
'मस्ती' शब्द पर छात्रों से चर्चा करें।
अध्यापक छात्रों से निम्नलिखित विषय पर चर्चा करें –
' जीवन में मस्ती चाहिए परंतु वह कब हानिकारक हो सकती है'

*कृति :

1) मस्तमौला के लक्षण लिखिए:

2) 'वाला' प्रत्यय जुडकर तैयार होनेवाले शब्द लिखिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

आसमान का आसरा छोड प्यारे,

उलटि देख घट अपन की।

तुम आप में आप तहकीक करो,

तुम छोडो मन की कल्पना जी।

- **अध्यापक उपर्युक्त 'रेख्ता' पर चर्चा करते हुए जीवन का उद्देश्य समझाने की कोशिश करते है।**

कृति

1) कबीर इसे छोडने कहते है -

1) 2)

2) कबीर ने यहाँ जाँच करने कहा है -

3) प्रश्न तैयार करो जिसका उत्तर हो - घट

आओ अभ्यास करें

प्रेम न खेतो नीपजै,प्रेम न हाट बिकाय ।

राजा- परजा जिस रुचे,सिर दे तो ले जाय।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

- अध्यापक उपर्युक्त दोहे पर चर्चा करते हुए 'प्रेम की महत्ता' समझाऐंगे ।

  छात्र 'प्रेम' शब्द का गहराई से अध्ययन करेंगे :

  उदा. प्रकृति प्रेम,पशु प्रेम,वृक्ष प्रेम

आओ सृजन करें

१) 'समाज मे व्याप्त बाह्य आडंबर' पर मित्रों के साथ चर्चा कीजिए।

२) साने गुरुजी का गीत 'धर्म तो एकही सच्चा' गीत सुनिए।

पूरक साहित्य स्त्रोत :

कबीर के जन्म की कहानी आंतरजाल की सहायता से पढ़िए ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 15

ब्रीज कोर्स-सेतु अभ्यास कसौटी क्र. 1

(दिन: पहले से चौदहवे तक)

कक्षा - दसवीं | विषय - हिंदी | अंक : 15

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

किताबें झाँकती हैं बंद अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर.....

गुजर जाती हैं 'कंप्यूटर के पर्दों पर '
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें.....
उन्हें अब नींद में चलने की आदत हो गई है
जो कदरें वो सुनाती थी
कि जिनके 'सेल' कभी मरते नहीं थे,
वो कदरें अब नजर आती नहीं घर में,
जो रिश्ते वो सुनाती थीं।

कृति:-

1) कविता में आए उर्दू शब्दों का अर्थ लिखिए : 1

a) कदरें - _____

b) सोहबत - _____

2) कविता के आधार पर वाक्य पूर्ण कीजिए : 1

a) जो शामें उनकी _____

b) उन्हें अब नींद में _____

3) निम्नलिखित दिए गए विरामचिन्हों का नाम लिखिए: 1

a) (,) - _____

b) (|)-_____

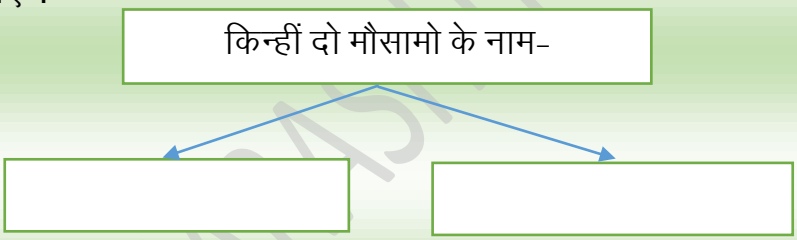
प्र. 2. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

दिसंबर-जनवरी की हाड़ कँपाती ठंड हो, झमाझम बरसती वर्षा या उमस भरी गरमी की रातें। हर मौसम में रात बारह बजे के बाद चौकीदार नाम का यह नि रीह प्राणी सड़क पर लाठी ठोकते, सीटी बजाते; हमें सचेत करते हुए कॉलोनी में रात भर चक्कर लगाते रोज सुनाई पड़ता है।

हर महीने की तरह पहली तारीख को हल्के से गेट बजाकर खड़ा हो जाता है, 'साब जी, पैसे?'

"कितने पैसे ?" वह उससे पूछता है।

(1) कृति पूर्ण कीजिए : 1



(2) ऐसे दो प्रश्न बनाइए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों : 2

(i) चौकीदार

(ii) पैसे

प्र. 3. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

जब मांगू तब जल भरि लावे। मेरे मन की तपन बुझावे।। मन का भारी तन का छोटा। ऐ सखि साजन? ना सखि लोटा।।	बेर बेर सोवत ही जगावे। ना जागू तो कांटे खावे।। व्याकुल हुई मैं हक्की बक्की। ऐ सखि साजन? ना सखि मक्खी।।

(1) कविता के आधार पर ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिस का उत्तर निम्नलिखित शब्द हो : 1

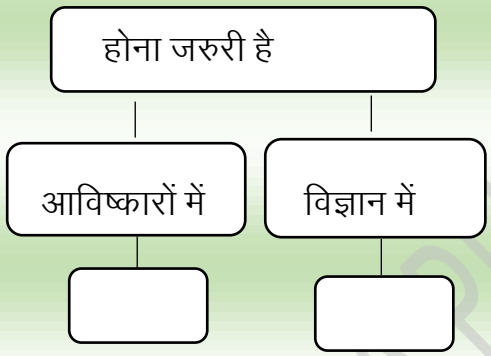
i) मक्खी

(2) पद्यांश की पहली चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

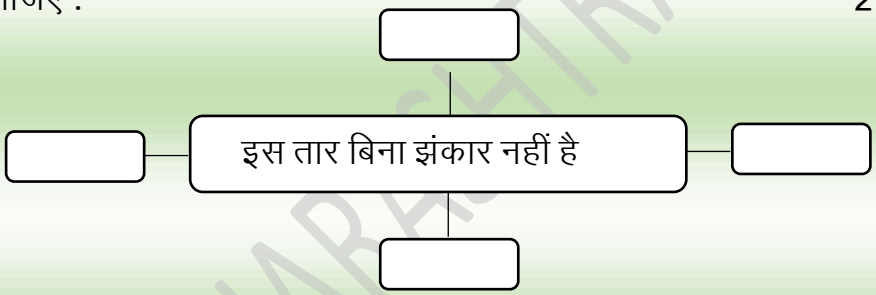
प्र. 4. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

शील, विनय, आदर्श, श्रेष्ठता तार बिना झंकार नहीं है, शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी यदि नैतिक आधार नहीं है, कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें।।	अविष्कारों की कृतियों में यदि मानव का प्यार नहीं है, सृजनहीन विज्ञान व्यर्थ है प्राणी का उपकार नहीं है, भौतिकता के उत्थानों में जीवन का उत्थान न भूले।।

1. आकृति पूर्ण कीजिए : 1



2. संजाल पूर्ण कीजिए : 2



प्र. 5. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

ग्रामीण : लो भाई , इस बार तो यह लोहा ही हाथ लगा है |
लकड़हारा : (अपने लोहे की कुल्हाड़ी देखकर खुश हो उठता है |) तुम्हारा यह उपकार में जीवन भर नहीं भूलूंगा| भगवान तुम्हें सुखी रखें |
ग्रामीण : एक बात मेरी समझ में नहीं आई |
लाकड़हारा : वह क्या ?

(1) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1) हाथ लगना -

(2) उत्तर लिखिए : 2

(1) लकड़हारा खुश हुआ -

(2) लकडहारे की प्रार्थना -

****

MAHARASHTRA PUNE

दिन -16

क्षेत्र –श्रवण, पठन, लेखन, भाषण

अपेक्षित कौशल – भाषण

- छात्र अपने विचारों को भाषण/संभाषण रुप में व्यक्त करने का प्रयास करेंगे।
- छात्र साहित्य को समझदारी से पढ़ने और उसका आनंद लेने में सक्षम बनेंगे।

संकल्पना – पद्य

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और छात्रों को गूट बनाकर विचार विमर्श करके पद्यांश के आकलन हेतु उन्हें प्रेरित करेंगे।

बंद नहीं अभी चलते हैं

नियति नटी के कार्य - कलाप।

पर कितने एकांत भाव से।

कितने शांत और चुपचाप ।

छात्र स्वयं अध्ययन करके उपर्युक्त पद्यांश का अर्थ / भावार्थ समझने की कोशिश करेंगे। तथा गुट के अन्य छात्रों से चर्चा करेंगे।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

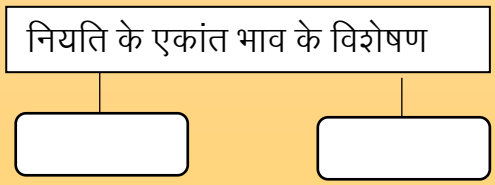
कृति

1. कारण लिखो -

   नियति को नटी इसलिए कहा है ----------

2. आकृति में लिखो। अ) नियति नटी करती रहती है -

3. आकृति पूर्ण कीजिए :



आओ सक्षम बनें

शिक्षक इस संकल्पना को दृढ करने हेतु सर्वसमावेशक पद्यांश का चयन करेंग और छात्रों के गुट बनाकर पद्य विश्लेषण करने हेतु प्रेरित करेंगे।

है बिखेर देती वसुंधरा
मोती सबके सोने पर।
रवि बटोर लेता है उनको
सदा सबेरा होने पर।।

SCERT MAHARASHTRA

शिक्षक छात्रों को उपर दिए हुए पद्यांश को सूरताल के साथ गाने हेतु प्रेरित करेंगे ।पद्य के संदर्भ मे निहित विविध कृतियों द्वारा पद्यांश की विशेषताएँ ढूँढ़ने हेतु छात्रों को मार्गदर्शन करेंगे ।

कृति -

1. निम्नलिखित कल्पना को व्यक्त करने वाली पंक्तियो का भाव लिखिए ।
   1) तारों का उदित होना ----------
   2) तारों का अस्त होना ----------
2. निम्नलिखित अर्थ के शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए ।
   1. सूरज - ------- 2. हमेशा - ------- 3. सुबह - ------ 4. सुबह - ------
3. **प्रकृति** मनुष्य की मित्र है स्पष्ट कीजिए ।

आओ अभ्यास करें

डाल हिलाकर आम, बुलाता तब कोयल आती है ।
नहीं चाहिए इसको तबला, नहीं चाहिए हारमोनियम,
छिप - छिपकर पत्तों में यह तो, गीत नया गाती है ।
चिक् - चिक् मत करना रे निक्की, भौंक न रोजी रानी,
गाता एक सुना करते हैं, सब तो उसकी बानी ।

शिक्षक छात्रों को उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर निम्नलिखित कृतियाँ करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा छात्रों को अन्य विविध कविताओं की सहायता से कविता का आशय स्वयं समझने के लिए प्रेरित करेंगे ।

कृति –

1. आम बुलाता है — इसे [ ] / ऐसे [ ]

2. [ ] — कोयल को इसकी जरुरत नहीं है — [ ]

3. पद्यांश मे उल्लिखित पशु-पक्षी – ----------

4. डाल हिलाकर ---------- गीत नया गाती है। इन काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

आओ सृजन करें

- 'पर्यावरण सुरक्षा और वृक्ष' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। तथा पोस्टर या चित्र तयार कीजिए।

पूरक साहित्य स्त्रोत

महादेवी वर्मा लिखित 'नीलकंठ' रचना पढिए। संदर्भग्रंथ (मेरा परिवार)

दिन - 17

क्षेत्र -श्रवण, पठन, लेखन,

अपेक्षित कौशल - लेखन

छात्र लघुकथा सुनने - सुनाने में रुचि लेंगे । छात्र विनम्रता एवं दृढता पूर्वक किसी विचार के बारे में अपना मत व्यक्त करेंगे, सहमती - असहमती प्रकट करेंगे ।

संकल्पना गद्य

आओ पता करें

शिक्षक निम्नलिखित उदाहरण की सहायता से छात्रों में वैज्ञानिक तथा पर्यावरणीय दृष्टिकोन निर्माण करते है । छात्र अपने विचार व्यक्त करते हैं । शिक्षक छात्रों को भारत के महान वैज्ञानिकों का परिचय कराएँगे ।

मेरे अपहरण का कारण जानने से पहले यह जान ले कि ये लोग चिकित्साशास्त्र में बहुत पिछडे हुए है । यह एक ऐसा ग्रह है जहाँ विज्ञान अपनी चरमसीमा को पहुँच चुका है । यहाँ के आदमी भी आदमी नहीं मशीन हो गए हैं । यहाँ का सारा काम मशीनों से ही होता है और इसका नतीजा यह हुआ कि धीरे - धीरे आदमी का महत्त्व कम होता गया । अब इस पूरे ग्रह में मशीनें ज्यादा और आदमी कम है । जो लोग है, मशीनों के गुलाम है दूसरी ओर यहाँ के लोगों को एक विचित्र तरह का सड़न रोग होने लगा है । शरीर का कोई अंग अचानक सड़ना शुरू हो जाता है और फिर वह आदमी मर जाता है । इस रोग का इलाज इन्हें अब तक नहीं मालूम हो सका है । लेकिन इस रोग का कारण वे मशीनें ही है जो इन्हें नाकारा बनाए हुए है । यहाँ के वैज्ञानिकों ने मेरे बारे में सुना । इन्होंने सोचा कि क्यों न मुझे यहाँ बुलाया जाए । कोई ऐसी तरकीब सोची जाए कि सडा़ हुआ अंग काटकर उसके स्थान पर दूसरा अंग लगा दिया जाए । बस इसी कारण मेरा अपहरण हुआ है ।

छात्र स्वयं अध्ययन करके उपर्युक्त गद्यांश का कथ्य समझने की कोशिश करेंगे। तथा गुट के अन्य छात्रों से चर्चा करेंगे।

कृति

1) उत्तर लिखिए

1. **यहाँ** के आदमी की विशेषता -

2. इस ग्रह के लोगों को लगा विचित्र रोग -

3. इस ग्रह के लोग इस बात में पिछड़े हुए है -

2) कारण लिखिए :

डॉक्टर का अपहरण हुआ ----------

आओ सक्षम बनें

इक्कसवी सदी का अब अंत होने वाला था और बाईसवी सदी की शुरुआत ! पृथ्वी पर मानव ने काफी प्रगति कर ली थी। जनसंख्या पर नियंत्रण कर लिया था। पर्यावरण की समस्या को लगभग हल कर लिया गया था। लोग सुख - चैन से रह रहे थे। अचानक एक दिन समाचारपत्र में एक खबर प्रकाशित हुई, जिसे पढ़कर लोग आश्चर्यचकित हो गए। इस खबर के अनुसार एक सर्वेक्षण में बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है। वैज्ञानिक, भूवैज्ञानिक, पर्यावरणविद सभी परेशान हैं कि यह कैसे हो सकता है। वैज्ञानिक इसके कारण को खोजने में जुट गए।

शिक्षक छात्रों को उपर्युक्त पाठ्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे।

आओ अभ्यास करें

कृति

1. आकृति में लिखिए :

1) **इसका** अंत होनेवाला था -

2) इसपर नियंत्रण कर लिया था -

3) **लोग** इस तरह रह रहे थे -

4) **समाचार** पत्र में अचानक प्रकाशित हुई खबर -

आओ सृजन करें

पानी का महत्त्व समझाते हुए अपने छोटे भाई /बहन को पत्र लिखिए।

पूरक साहित्य स्रोत

भारत के वैज्ञानिक विक्रम सारभाई के बारे में जानकारी पढ़िए।

SCERT MAHARASHTRA

दिन - 18

क्षेत्र -श्रवण, पठन, लेखन

अपेक्षित कौशल - भाषण

छात्र वैज्ञानिक कथा सुनने - सुनाने में रुचि लेंगे । छात्र दृढतापूर्वक तथा चिकित्सक विचार करते हुए स्वतंत्र रुप से अपने विचार अभिव्यक्त करेंगे।

संकल्पना गद्य

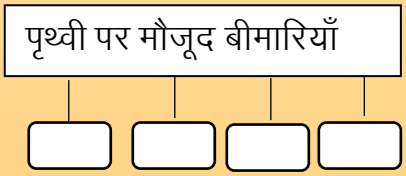
आओ पता करें

शिक्षक छात्रों को पाठ्यांश का उद्देश्य गहराई से समझने हेतु प्रेरित करेंगे तथा उसपर पर्यावरणीय दृष्टिकोन से विचार विमर्श भी करेंगे ।

आज मैं यहाँ बैठकर सोच रहा हूँ कि हमारी पृथ्वी पर भी विज्ञान तेजी से उन्नति कर रहा है । उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ रही है । मशीनों और कारखानों से वातावरण दूषित हो रहा है । वह सब अगर जारी रहा और ज्यादा मात्रा में हुआ तो पृथ्वी पर भी ऐसे ही दिन आने में देर नहीं लगेगी । आज भी पृथ्वी पर कैन्सर, दिल की बीमारियाँ, तनाव के कारण होने वाली बीमारियाँ, ब्लड शुगर आदि उस भविष्य का संकेत है । इस ग्रह के लोग इन सभी मुसिबतों से गुजर चुके हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया । अब स्थिति यह है कि अगर तुरंत कोई उपाय नहीं किया गया तो शायद यहाँ से इंसानों का नामो-निशान मिट जाएगा । बस यहाँ होंगी उँची इमारतें,बड़े-बड़े कारखाने चिमनियाँ और दैत्याकार मशीनें ।

कृति

1. **आकृति** पूर्ण कीजिए :



2. पाठ्यांश में प्रयुक्त मुहावरा ढूँढ़कर उसका अर्थ लिखिए।

आओ सक्षम बनें

शिक्षक डॉक्टर का अपहरण इस पाठ का उद्देश समझाने हेतु निम्नलिखित पाठ्यांश पर चर्चा करेंगे।

प्रो. दीपेश एक भूवैज्ञानिक थे। अपने दोस्तों के साथ बगीचे में बैठे पानी की इस समस्या पर चर्चा कर रहे थे। कुछ देर बाद श्याम ढल गई और सभी लोग अपने - अपने घर चले गए। प्रो. दीपेश वही लान पर बैठे आकाश की ओर देखकर कुछ सोच रहे थे कि अचानक उनकी नजर एक तारे पर पड़ी जो नाचता हुआ पृथ्वी की ओर आ रहा था। पृथ्वी पर उतरते - उतरते व पुनः आकाश की ओर मूड़ गया।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ अभ्यास करें

कृति

1. आकृति पूर्ण कीजिए :
    1. प्रो.दीपेश यह थे -
    2. **बगीचे** में इस पर चर्चा हो रही थी -
2. पाठ्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए।

आओ सृजन करें

खुद का स्वास्थ्य खुद की जिम्मेदारी इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

पूरक साहित्य स्रोत

दैनिक अखबारों में छपे **प्रदूषण** विषयक लेख पढ़िए एवं उनका संकलन कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन 19

क्षेत्र -श्रवण, पठन, लेखन

अपेक्षित कौशल – पठन

- छात्र वैज्ञानिक तथा चिकित्सक दृष्टिकोन निर्माण करने हेतु प्रयास करेंगे।

संकल्पना गद्य

आओ पता करें

शिक्षक छात्रों को पाठ्यांश का उद्देश्य गहराई से समझने हेतु प्रेरित करेंगे तथा उसपर पर्यावरणीय दृष्टिकोन से विचार विमर्श भी करेंगे।

मैंने सड़न रोग का अध्ययन कर लिया है और उनके शरीर की बनावट का भी। किंतु समस्या यह है कि पृथ्वी के चिकित्सा सिद्धांतों को यहाँ लागू नहीं किया जा सकता। फिर भी कोशिश कर रहा हूँ। इस घातक रोग के इलाज के लिए दवाएँ बनाना है तथा अंग प्रत्यारोपण के लिए दवाएँ तथा आवश्यक साज सामान बनवाना है। ये काम अकेले मेरे लिए कर पाना संभव नहीं है। मेरा छुटकारा भी यहाँ से तभी होगा जब मैं इन्हें इस मुसीबत से बचने का रास्ता बता सकूँ। इसलिए अब ये लोग योजना बना रहे है कि मेरी सहायता के लिए पृथ्वी से कुछ और वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को लाया जाए। मैं उनकी बात से सहमत नहीं हूँ। मैं तो चाहता हूँ कि ये लोग स्वयं ही सारी बातें सीख ले और अपना इलाज अपने आप करें किंतु उसके लिए ये अभी तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि यह बात गुप्त रखी जा रही है कि पृथ्वी से कब और कितने डॉक्टरों और वैज्ञानिकों का अपहरण करके उन्हें यहाँ लाया जाएगा।

कृति

1. इन शब्दों के लिए पाठ्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

   1. अनावश्यक X ---------- 2. असंभव X ---------- 3. असहमत X -----

2. इन शब्दों के लिए पाठ्यांश में प्रयुक्त पर्यायवाची शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

   1. वसुंधरा = ------ 2.. शास्त्रज्ञ = ---------- 3.. औषधियाँ = ----------

आओ सक्षम बनें

शिक्षक **डॉक्टर का अपहरण** इस पाठ का उद्देश्य समझाने हेतु तथा छात्रों में चिकित्सक, वैज्ञानिक तथा पर्यावरण सुरक्षा विषयक दृष्टिकोन निर्माण करणे हेतु निम्नलिखित पाठ्यांश पढेंगे।

हमारी ग्रह के जल में एक विशेष प्रकार के विषाणुओं के मिल जाने के कारण वह जहरीला हो गया है। उसके उपयोग से हमारे ग्रह पर महामारी फैल गई है, जिससे वहाँ के लोग मरने लगे है। हमने तो उन विषाणुओं को नष्ट कर दिया है लेकिन जल में घुले जहर को अभी तक पहचान नहीं पाए हैं। जल को विषहीन बनाने में समय लगेगा। पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे थे। अपने अस्तित्व के लिए हमने निर्णय लिया कि हम जल्द - से - जल्द किसी ग्रह की खोज कर वहाँ का पानी अपने ग्रह पर ले जाएँगे। अपने ग्रह के लोगो का जीवन बचाएँगे। हमारी नजर आपके निले ग्रह पर पडी, जो हमसे अधिक नजदीक था। हम लोगों ने यहाँ पर विशाल जलभंडा़रों को देखा निर्णय किया कि जब तक हमारे ग्रह पर पानी शुद्ध नहीं हो जाता हम लोग यही से जल को अपने ग्रह पर ले जाएँगे। हम लोग लगभग एक सप्ताह से जल को विशेष यान की सहायता से ले जा रहे है।

आओ अभ्यास करें

कृति

1. इन शब्दों को पाठ्यांश से ढूँढ़कर मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध करके लिखिए :

   1) जहरिला - ---------- 2) सपताह ----------

2. .पाठ्यांश में प्रयुक्त प्रत्ययुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

   1) ---------- 2) ----------

आओ सृजन करें

वर्तमान जीवन में जल का महत्व इस विषय पर आधारित पथनाट्य तयार करे और प्रस्तुत कीजिए।

पूरक साहित्य स्रोत

भारत के **मिसाइल मैन**, पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी की जीवनी **अग्निपंख** पढ़िए ।

दिन - 20

क्षेत्र – श्रवण, भाषण, मौखिक भाषा विकास

अपेक्षित कौशल –

- छात्र घटी हुई घटना का विवरण करेंगे।
- अहवाल लेखन करेंगे।
- विषय के अनुसार लेखन करेंगे।
- वृतांत लिखेंगे।

आओ पता करें

1. अध्यापक किसी समाचार पत्र में घटी घटना सुनाएँगे ।
2. छात्रों को समाचार पत्र में छपी घटना प्रसंग पर गुटचर्चा करने को कहेंगे ।
3. छात्रों को प्रसंग लेखन, समारोह / घटना का वास्तव वर्णन करने के लिए कहेंगे।

- **निम्नलिखित विषय पर अध्यापक छात्रों से चर्चा करवाएँगे ।**

1. वृतांत का अर्थ
2. वृत्तांत लेखन एक कला
3. वृत्तांत लेखन की भाषा
4. वृत्तांत लेखन के मुख्य अंग

कृति

वृत्तांत लेखन के विभिन्न विषय –

शिक्षक दिवस का वृतांत
हिंदी दिवस का वृतांत
बालिका दिवस का वृतांत
वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

SCERT MAHARASHTRA PUNE

अध्यापक उपर्युक्त विषयों की सहायता से छात्रों को घटना काल स्थान का उल्लेख कराते किसी एक विषय पर वृत्तांत लेखन करने को कहेंगे ।

आओ सक्षम बनें

अध्यापक वृत्तांत लेखन के निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा करवाएँगे ।

वृत्तांत लेखन में घटना काल स्थल का उल्लेख अपेक्षित है ।

घटनाक्रम प्रभावी भाषा में वर्णित हो।

समारोह के अध्यक्ष या वक्ता के विचार संदेश लिखे जाएँ।

समापन उचित पद्धति से हो।

आओ अभ्यास करें

(अध्यापक ऊपर दिए गए वृत्तांत लेखन के मुद्दों पर चर्चा करवाएँगे अलग-अलग समाचारों का संकलन करवाने को कहेंगे।)

कृति

80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए ।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

(वृत्तांत लेखन में स्थान, समय, घटना का उल्लेख आवश्यक है)

आओ सृजन करें

वाचन प्रेरणा दिवस इस विषय पर मैंने लिखा वृत्तांत!

SCERT MAHARASHTRA

दिन - 21

क्षेत्र -श्रवण, संभाषण,मौखिक भाषा, लेखन विकास

अपेक्षित कौशल –

*आकलन युक्त श्रवण करेंगे।

*छात्र स्वमत अभिव्यक्ति सक्षमता से करेंगे।

* छात्र अपने विचार / भाव लिखित रूप मेंअभिव्यक्त करेंगे।

संकल्पना : उपयोजित लेखन (विज्ञापन लेखन)

आओ पता करें

- **अध्यापक प्रश्न पूछकर चर्चा करते हैं...**

1. हम विज्ञापन कहाँ कहाँ देखते हैं?
2. विज्ञापन की आवश्यकता क्यों है?
3. आपको किसप्रकार के विज्ञापन पसंद हैं?

***अध्यापक कुछ विज्ञापनों के नमूने छात्रों को दिखाएँगे ***

छात्रोंने देखे और सुने विज्ञापन के बारे में कक्षा में चर्चा करेंगे ।
गुटचर्चा के माध्यम से विज्ञापन लेखन करने के लिए प्रेरित करेंगे ।

- **अध्यापक विज्ञापन लेखन की विशेषताओं की तरफ छात्रों का ध्यान आकर्षित करेंगे ।**

1. कम शब्दों में अधिक आशय व्यक्त हो ।
2. आकर्षक शब्दरचना, शुद्ध भाषा तथा अर्थसौष्ठव ।
3. जिसका विज्ञापन करने जा रहे हैं उसका नाम स्पष्ट रूप से हो ।
4. रोचक शैली, अलंकारिकता और काव्यमय एवं प्रभावी शब्द ।
5. विज्ञापन में उत्पाद की गुणवत्ता महत्त्वपूर्ण होती है।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

- **अध्यापक छात्रों को एक विज्ञापन का नमूना बनाकर प्रश्न पूछेंगे।**

जैसे - 1. विज्ञापन में संपर्क, ई-मेल आयडी क्यों आवश्यक है?

2. विज्ञापन की रचना और शब्दमर्यादा की विशेषता बताइए ?

- **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।**

विषय : बैंक एटीएम के लिए सुरक्षा रक्षक की आवश्यकता।

आधार: (शैक्षिक योग्यता, कालावधि ,आयु सीमा, संपर्क)

आओ अभ्यास करें

- उदाहरण के रूप में अध्यापक विविध प्रकार के विज्ञापन के विषय छात्रों के सामने रखते हैं और उन्हें पुनरावलोकन करने के लिए कहेंगे।

1. "विश्व योग दिन के शिविर" का आयोजन करने हेतु आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. पुस्तक प्रदर्शन और बिक्री के बारे में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आओ सृजन करें

1. समाचार पत्रों में छपे विविध प्रकार के विज्ञापनों का संग्रह कीजिए।
2. सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद के कुछ आकर्षक विज्ञापन अपनी कॉपी में सुंदर अक्षरों में लिखें
3. विज्ञापन एक कला है इस पर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 22

क्षेत्र –श्रवण, संभाषण, मौखिक भाषा विकास, लेखन

कौशल – 1. छात्र मुख्य विराम चिह्न पहचानते हैं।

2.छात्र आरोह अवरोह के साथ वाचन करते हैं ।

3.छात्र विराम चिह्न का सही और उचित प्रयोग करते हैं।

संकल्पना : उपयोजित लेखन व व्याकरण (विराम चिह्न विचार)

आओ पता करें

- अध्यापक विराम चिह्नों के उदाहरण देते हैं।
  1. सुहास, रतन और रंजन घर आए।
  2. व्यवसाय बंद है; वाणिज्य बंद है; और हाहाकार मचा है।
  3. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।
  4. आप कल कहाँ थे?
  5. हाय! ऐसा अंधेर ! काश!
  6. बातों का क्रम (सिलसिला) ठीक है।
  7. प्रेमचंद का ' गोदान ' समस्या मूलक उपन्यास है।

- **अध्यापक उपर्युक्त उदाहरणों में आए विभिन्न विराम चिह्नो के बारे में छात्रों से चर्चा करेंगे और विराम चिह्न की पहचान कितनी है यह जाँच लेंगे। अजमाएँगे।**
- **पाठ में आए अलग-अलग विराम चिह्न निकालने के लिए अध्यापक कहेंगे।**
- **अध्यापक विभिन्न विराम चिन्हों के बारे में उनके नाम के साथ उसकी परिभाषा छात्रों से अवगत कराएँगे।**

जैसे - अल्पविराम, विस्मय सूचक,अर्द्ध विराम, प्रश्न चिह्न ,कोष्ठक, अवतरण आदि ।

SCERT MAHARASHTRA, PUNE

कृति

अध्यापक कुछ वाक्य या विरामचिह्न रहित परिच्छेद देकर छात्रों को उनमें उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करने के लिए कहेंगे जिस परिच्छेद में सभी प्रकार के विराम चिन्हों का प्रयोग किया गया हो

अभिव्यक्ति लेखन

विभिन्न विराम चिह्नों से व्यक्त होने वाला भाव और अभिनिवेश या सूचित अर्थ छात्रों को लिखने के लिए प्रेरित करना ।

जैसे - 1. अगर पाठशालाएँ ना होती....!

2. क्या मार्गदर्शिका की सहायता से कोई होशियार हो सकता है?
3. काश ! मुझे भी यह मौका मिल जाता!

आओ सक्षम बनें

अध्यापक छात्रों को विराम चिह्न और उनके सही रूप आकृति के रूप में लिखने के लिए कहेंगे।

छात्र प्रधान विराम चिन्हों के अर्थ के साथ के साथ उनकी आकृतियाँ निकालेंगे।

आओ अभ्यास करें

किसी एकांकी या नाटक में आए संवादों में जिस प्रकार के विराम चिन्ह हैं उन्हीं विराम चिन्हों के साथ वाक्य और संवाद कहकर विराम चिन्हों का सही अर्थ छात्र अभिनय और संवाद के साथ कृति करेंगे।

आओ सृजन करें

- **अगर सभी विराम चिह्न एक दूसरे के साथ बोलने लगेंगे या संवाद करने लगेंगे तो आपस में क्या-क्या बातचीत होंगी?**
- **संवाद लेखन करने के लिए छात्रों को कृति कार्य दिया जा सकता है।**

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 23

क्षेत्र - संभाषण, श्रवण, अध्ययन कौशल

अपेक्षित कौशल –*छात्र पद्य विधा का रसास्वादन करेंगे।
* जल प्रदूषण पर गुट चर्चा करेंगे।
* अंतरजाल के माध्यम से जानकारी प्राप्त करेंगे।

आओ पता करें

- **अध्यापक के पुछने पर –**

* छात्र जल स्रोतों के बारे में बताएँगे।

* छात्र जल प्रदूषण के कारणों पर तथा उसके परिणामों पर गुट चर्चा करेंगे।

* छात्र गाँव के परिवेश में बहने वाली नदी की जानकारी बताएँगे।

सतत प्रवाहमान!
जीवन की पहचान!
मैं एक गिरी हलचल हूँ,
मेरे स्वर में कल- कल है
मैं जल हूँ!
सिंधु यानी
धरती पर सभ्यताओं का
आदि बिंदु।
मेरे ही तटों पर
इंसानियत के यज्ञ हुए

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति : 1) संगीत-लय निर्माण करने वाले शब्द लिखिए :

1) .....

2) .....

कृति : 2) **लिखिए** :

1. सिंधु के तट पर - .....

2. सिंधु याने - .....

- कविता की प्रथम आठ पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

आओ सक्षम बनें

*** अध्यापक कविता की संकल्पनाओं को दृढ़ करने हेतु नदी के पानी पर बने बाँध की उपयोगिता पर चर्चा करेंगे।**

*** अध्यापक छात्रों को कविता सुरताल के साथ गाने के लिए प्रेरित करेंगे।**

आओ अभ्यास करें

*अध्यापक निम्नलिखित कविता के आधार पर कृतियों को हल करने के लिए प्रेरित करेंगे तथा कविता का आशय स्वयं समझ लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

जब सारा जल जहर हो रहा , क्यों नदियां चुप है? जब यमुना का अर्थ खो रहा क्यों नदियाँ चुप है ?	चट्टानों से लड़कर जो बढ़ती रही नदी हर बंजर की प्यास बुझाती बहती रही नदी जब प्यासा हर घाट रो रहा क्यों नदियाँ चुप है ?

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति : अ) लिखिए :

1. पद्यांश में उल्लिखित एक नदी का नाम - .....

2.कविता के आधार पर ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनका उत्तर निम्नलिखित शब्द हो -

1. चट्टानों
2. बंजर

कृति : आ) निम्नलिखित वाक्य वचन परिवर्तन करके लिखिए :

नदी चट्टान को काटकर बहती है।

आओ सृजन करें

"जल है तो कल है" विषय पर अपने विचार लिखिए।

पूरक साहित्य स्रोत

रवींद्रनाथ ठाकुर की -छोटी सी हमारी नदी" कविता पढ़िए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 24

क्षेत्र -श्रवण, संभाषण, वाचन, लेखन

अपेक्षित कौशल –

- छात्र सुने हुए अंशों पर विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया देंगे।
- छात्र पठित सामग्री के कथ्य पर चर्चा करेंगे।
- छात्र कविता से संबंधित अन्य सामग्री पढ़ेंगे।

आओ पता करें

- 'मानव जीवन में नदी का महत्व' छात्र कितना जानते हैं यह जानने के लिए अध्यापक गुटचर्चा का आयोजन करेंगे ।

गति में चंचल
पर भावना में अचल हूँ ।
मैं सिंधु नदी का
पावन जल हूँ ।
मैं नहाने वाले से
नहीं पूछता उस उसकी जात
उसका मजहब,
उसका धर्म,
मैं तो बस जानता हूँ
जीवन का मर्म ।

- छात्र कविता का भावार्थ समझते हुए निम्न कृतियों को हल करेंगे।
- छात्र स्वयं अध्ययन में आने वाली कठिनाइयाँ पूछेंगे।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति

1. पावन जल में स्नान करने वालों से नहीं पूछता -

   1) ..... 2) ..... 3) .....

2. कविता में प्रयुक्त विलोम शब्द लिखिए।

   1) .....X .....

3. कविता में प्रयुक्त दो विरामचिह्नों के नाम लिखिए।

   1) ..... 2) .....

आओ सक्षम बनें

- **अध्यापक छात्रों को नदी पर और कविता सुनाकर कविता के उद्देश्य को दृढ कराएँगे।**
- **छात्र अपने जिले की प्रमुख नदी की जानकारी निम्न मुद्दों के आधार पर बताएँगे।**

नदी का नाम , उद्‌गम स्थान, प्रमुख नदी है या उपनदी है, प्रमुख नदी है तो किस सागर से मिलती है? , उपनदी है तो कौन सी नदी से मिलती है? , नदी के किनारे बसे शहर/ गाँव और नदी पर बने बाँध आदि।

आओ अभ्यास करें

अध्यापक निम्नलिखित कविता के आधार पर कृतियाँ हल करने तथा कविता का भावार्थ ग्रहण करने के लिए प्रेरित करेंगे।

आओ अब एक नई पहल करें गंगा को सजाने में

मिलकर हाथ से हाथ मिलाएँ गंगा को बचाने में

आओ जगाए सोयी हुई सरकारों को

आओ जगाए सोए हुए लोगों को।

रो रही है गंगा, ना जाने क्यों धीरे-धीरे सो रही है।।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति -

अ) उत्तर लिखिए :

1) गंगा को सजाने ये करना है - 1) ..... 2) .....

2) इन्हें जगाना है - 1) ..... 2) .....

आ) कविता का भावार्थ लिखिए।

आओ सृजन करें

- **'मैं हूँ नदी' इस विषय पर कविता कीजिए।**

पूरक साहित्य स्रोत

अंतरजाल से 'नमामि गंगे' परियोजना की जानकारी पढ़ें।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 25

क्षेत्र -श्रवण , वाचन, लेखन

अपेक्षित कौशल – 1) छात्र उचित आरोह अवरोह के साथ काव्य वाचन करेंगे।
2) छात्र गीत काव्य विधा की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) छात्र गीत काव्य विधा समझकर पढेंगे और उसका रसस्वादन करेंगे।

आओ पता करें

अध्यापक निम्नलिखित काव्यांश का उचित आरोह अवरोह के साथ वाचन करवाएँगे | विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे | काव्य की विशेषता वे बता सकते हैं या नहीं इसके संबंध में जानकारी प्राप्त करेंगे |

उदाहरण एक

भारत भूमि के वंदन हित ,
राष्ट्र देव के अभिनंदन हित ,
जन-जन में चेतना जगाएँ |
चलो आज हम दीप जलाएँ |

अध्यापक उदाहरणों द्वारा गीत इस काव्य की विधा समझाएँगे |
अध्यापक और एक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे ।

उदाहरण दो

मन समर्पित , तन समर्पित ,
और यह जीवन समर्पित ,
चाहता हूँ देश की धरती ,
तुझे कुछ और भी दूँ |

- **अध्यापक इस तरह उदाहरण एक और उदाहरण दो से गीत काव्य के संबंध में अधिक जानकारी देंगे | उनसे चर्चा करेंगे और निम्नलिखित कृतियाँ करवाएँगे |**

कृति :

1. लिखिए :

   * चेतना जागाए - 1) इसके वंदन हित .....
   - 2) इसके अभिनंदन हित .....

2. कवि समर्पित करना चाहते हैं

   1) ..... 2) .....

3. दोनों ही काव्यांश में निहित समानता - .....

4. ' मेरा भारत देश ' इस पर अपने विचार लिखिए |

आओ सक्षम बनें

यह हार एक विराम है

जीवन महा - संग्राम है

तिल - तिल मिटूँगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं |

वरदान माँगूँगा नहीं |

- **अध्यापक काव्यांश को उचित आरोह अवरोह के साथ गाने के लिए कहेंगे| काव्यांश में निहित भाव को स्पष्ट करेंगे | विविध कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |**

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ अभ्यास करें

कृति:

1) पंक्ति पूर्ण कीजिए।

1. यह हार .....
2. जीवन .....

2) लिखिए :

1. कवि यह चाहते हैं .....
2. कवि यह नहीं चाहते.....

अभिव्यक्ति :

" जीवन महासंग्राम है " इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए |

आओ सृजन करें

" जीत के लिए संघर्ष अटल है " इस विषय पर गीत लिखने का प्रयास कीजिए |

पूरक साहित्य स्रोत :

कवि रवींद्रनाथ ठाकुर की" विपत्तियों से रक्षा कर "
यह कविता कंठस्थ कीजिए |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 26

क्षेत्र -श्रवण, वाचन, लेखन

अपेक्षित कौशल – 1) छात्र उचित आरोह-अवरोह के साथ मुखर काव्य वाचन करेंगे।
2) छात्र काव्यांश को समझदारी से पढकर उसका सार/केंद्रीयभाव ग्रहण करेंगे।

आओ पता करें

अध्यापक काव्यांश का प्रकट वाचन करवाएँगे | काव्यांश के विश्लेषण हेतु चर्चा करवाएँगे |

सत्य - निष्ठा , जन भू प्रेमी जब
मानव जीवन के मंगल हित
कर देते उत्सर्ग प्राण निज
भू -रज को कर शोणित रंजित
नहीं प्रार्थना इससे बढ़कर !

विद्यार्थी स्वयं ही काव्यांश को समझने की कोशिश करेंगे | अध्यापक कविता में निहित भाव को स्पष्ट करेंगे| कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

कृति :

1) भू - प्रेमियों की विशेषताएँ . 1)..... 2) .....

2) उत्तर लिखिए :
मानव जीवन के कल्याण के लिए यह करते हैं.....

3) इन शब्दों के लिए कविता में आए शब्द लिखिए :
1) बलिदान ..... 2) स्वयं..... 3) मिट्टी ..... 4) भूमि .....

आओ सक्षम बनें

लघुता न अब मेरी छुओ तुम आ ही महान बने रहो अपने हृदय की वेदना मैं व्यर्थ त्यागूँगा नहीं | वरदान मांगूंगा नहीं |	चाहे हृदय को ताप दो , चाहे मुझे अभिशाप दो, कुछ भी करो कर्तव्य पथ से किंतु भागूँगा नहीं | वरदान माँगूँगा नहीं |

- **अध्यापक उचित आरोह – अवरोह के साथ काव्यांश का वाचन करवाएँगे | काव्यांश पर चर्चा करवाएँगे | उचित भावार्थ समझाएँगे | विविध कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |**

1. उत्तर लिखिए :

   1) कवि यह त्यागना नहीं चाहते .....

   2) कवि इससे भागना नहीं चाहते .....

   3) कवि यह माँगना नहीं चाहते .....

2. काव्यांश में आया विरुद्ध अर्थ की शब्द जोड़ी ..... X .....

3. अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ अपने शब्दों में लिखिए |

आओ सृजन करें

" कर्म ही पूजा है " इस विषय पर निबंध लिखिए |

- **<u>पूरक साहित्य स्रोत</u> :**

कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध ' की कर्मवीर कविता पढ़िए तथा उसका सरल भावार्थ लिखने की कोशिश कीजिए |

SCERT MAHARASHTRA ONLINE

दिन - 27

क्षेत्र -श्रवण, लेखन, भाषण

अपेक्षित कौशल : छात्र कविता का ध्यानपूर्वक श्रवण करेंगे। छात्र कविता में वर्णित मुद्दो पर चर्चा करके रसास्वादन करेंगे|

आओ पता करें

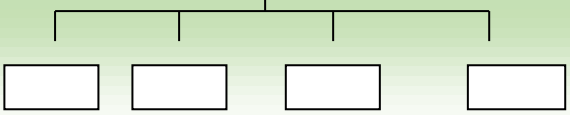
- अध्यापक छात्रों से वसुधैव कुटुंबकम विषय पर चर्चा करते है|
- छात्र विश्व परिवार संकल्पना का अर्थ बताएँगे|
- अध्यापक विश्व शांति की अनिवार्यता पर चर्चा करेंगे|

कृति :१) संजाल पूर्ण करो :



SCERT MAHARASHTRA

कृति 2) विश्व में एकता लाने के लिए हम करेंगे :



आओ सक्षम बनें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों पर चर्चा करेंगे |

छात्र चरित्र की संकल्पना समझ लेंगे |

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूले !

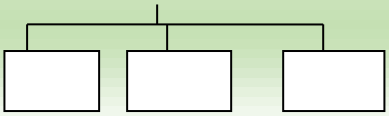
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भूले !!

माना अगम अगाध सिंधु है संघर्षों का पार नहीं है,

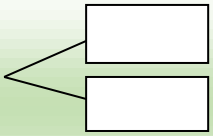
किंतु डूबना मँझधारों में साहस को स्वीकार नहीं है,

जटिल समस्या सुलझाने को नूतन अनुसंधान न भूले !!

कृति : 1) हमें यह नहीं भूलना है :



2) सिंधु ऐसा है



SCERT MAHARASHTRA PUNE

3) जोडियाँ मिलाइए :

अ)	ब)
1) पावन	क) सिंधु
2) चरित्र	ख) साधना
3) स्वार्थ	ग) निर्माण
4) अगम	घ) युग

आओ अभ्यास करें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों पर चर्चा करते हैं |

विचार लो कि मर्त्य हो,न मृत्यु से डरो कभी ।
मरो परंतु यों मरो, कि याद जो करे सभी ।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए ।
मरा नहीं कि जो जिया न आपके लिए ।

1) कारण बताओ – कुछ लोग कभी नहीं मरते ।

2) सु-मृत्यु में **सु** उपसर्ग से तात्पर्य बताइए |

आओ सृजन करें

1) मृत्यु शब्द को उचित विविध उपसर्ग, प्रत्यय जोडकर शब्द तैयार करके लिखिए |
2) 'मैं बडा होकर बनूँगा' विषय पर संक्षेप में अपने विचार लिखिए |

पूरक साहित्य स्त्रोत

1) युसूफ मलालाझाई की जानकारी आंतरजाल की सहायता से पढ़िए |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन – 28

क्षेत्र – श्रवण, लेखन, भाषण

अपेक्षित कौशल :1. छात्र कविता का रसग्रहण करेंगे |

2. छात्र कविता सुनते समय कठिन लगनेवाले शब्दो ,अंशो, मुद्दो का अंकन करते हैं |

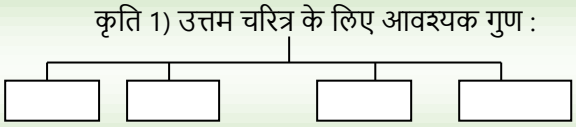
आओ पता करें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों पर चर्चा करते हुए छात्रों को शील शब्द का अर्थ स्पष्ट करेंगे।

अध्यापक 'अच्छा चरित्र' किसे कहते है स्पष्ट करेंगे।

शील, विनय, आदर्श , श्रेष्ठता तार बिना झंकार नहीं है,
शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी यदि नैतिक आधार नहीं है,
कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें !!

कृति 1) उत्तम चरित्र के लिए आवश्यक गुण :



2) शिक्षा का आधार -

3) सफलता की खुशी में हमें इसे नहीं भूलना होगा -

आओ सक्षम बनें

अध्यापक छात्रों से निम्नलिखित पंक्तियों के माध्यम से विकास की अंधाधुंध दौड में किन बातों का खयाल रखना होगा इस पर चर्चा करेंगे |

आविष्का रों की कृतियों में यदि मानव का प्यार नहीं है,
सृजनहीन विज्ञान व्यर्थ है प्राणी का उपकार नहीं है,
भौतिकता के उत्थानों में जीवन का उत्थान न भूलें !!

अध्यापक छात्रों को प्रश्न पूछकर उनके उत्तरो के विश्लेषण के साथ सार ग्रहण करने में मदद करेंगे।

आओ अभ्यास करें

पाँव को मिट्टी ना लगे इसके लिए जितना ध्यान रखते हो, वैसे ही मन मलीन ना हो इसलिए भविष्य में ध्यान रखना।

श्यामची आई इस पुस्तक की इन पंक्तियों पर चर्चा करते हुए अध्यापक छात्रों को अच्छे व्यक्तित्व की एहमियत समझाते है।

- अध्यापक छात्रों को गांधी जी द्वारा लिखित मेरे सत्य के प्रयोग इस आत्मकथन से उनके बचपन के एक- प्रसंग पढकर सुनाएँ ।

आओ सृजन करें

संक्षेप में लिखिए :

1) मेरे सामने कोई दुर्घटना घटी हो तो मैं यह करूँगा |

2) कोई बे-वजह छोटे बालक को पिट रहा हो,तो मेरी भूमिका ।

पूरक साहित्य स्त्रोत

1) स्वामी विवेकानंद की जीवनी के प्रसंग पढ़िए |

2) मंगेश पाडगावकर लिखित कबीर किताब पढ़िए |

SCERT MAHARASHTRA ONLINE

दिन - 29

क्षेत्र -श्रवन, संभाषण पठन ,लेखन

अपेक्षित कौशल

- छात्र ध्यानपूर्वक, समझकर श्रवण करेंगे।
- छात्र एक दूसरे से वार्तालाप (संवाद) करेंगे।
- छात्र सुने हुए अंशों पर विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया देंगे।

संकल्पना : गद्य

आओ पता करें

- अध्यापक निम्नलिखित गद्य खंड का पठन करवाएँगे।
- अध्यापक 'हास्य व्यंग्यात्मक निबंध' इस विधा से छात्रों को गुटचर्चा के माध्यम से परिचित करवाएँगे।
- छात्र सुने हुए अंशों पर विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया देंगे।

देसी कंपनी ने रेफ्रीजरेटर बनाया और उसकी प्रसिद्धि के लिए विदेशी विज्ञापन अपनाया। भारतभर में प्रतियोगिता का जुगाड़ किया। सवाल था- 'इस रेफ्रीजरेटर को खरीदने के क्या सात लाभ हैं ?' एक अप्रैल को फल निकलना था। जिस या जिन प्रतियोगी का उत्तर कंपनी के मुहरबंद उत्तर से मेल खा जाएगा, उसे या उन्हें एक रेफ्रीजरेटर मुफ्त इनाम दिया जाएगा।

भारत में धूम मच गई है। मेरे विचार से इतने उत्तर अवश्य पहुँचे कि उनकी रद्दी बेचकर एक रेफ्रीजरेटर के दाम तो वसूल हो गए होंगे। लॉटरी खुलने वाले दिन से पहली वाली रात थी। हम सब बाहर छत पर लेटे थे। हेमंत ने कहा, "पिता जी, हम रेफ्रीजरेटर रखेंगे कहाँ ?"

पत्नी ने उत्तर दिया, "क्यों, रसोई में जगह कर लेंगे। क्यों जी, तुमने बिजली कंपनी में दरख्वास्त भी दे दी है ? घरेलू पावर चाहिए उसके लिए।" मैं मुस्करा कर बोला, "तुम तो खयाली पुलाव पका रहे हो। मानो किसी ने तुम्हें टेलीफोन पर खबर कर दी हो।"

"हमारे टेलीफोन तो तुम ही हो।" पत्नी ने मस्का लगाया। "इतने अच्छे लेखक के होते हुए कौन जीत सकेगा ?"

- अध्यापक छात्रों को गद्य खंड का पठन करने के लिए कहेंगे ।
- अध्यापक दो गुट बनाकर बिजलीका महत्त्व, बिजली के बचत की आवश्यकता आदि पर गुटचर्चा करवाएँगे ।
- कृतियों द्वारा अध्यापक आवृत्ति करवाएँगे।

कृति:

1) एक शब्द में उत्तर लिखिए :

अ) कौनसी कंपनी ने रेफ्रीजरेटर बनाया -

ब) प्रसिद्धि के लिए कौनसा विज्ञापन अपनाया -

2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :

1) हार x _____

2) रात x _____

3) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) खयाली पुलाव पकाना-

आओ सक्षम बनें

डॉक्टर ने बाँह पर काला कपड़ा लपेटा और रबड़ की थैली से हवा फूँककर नाड़ी की गति देखी फिर बोला, ‘‘कुछ सीरियस नहीं है, दफ्तर से छुट्टी लेकर बाहर हो आइए; विश्राम आपको पूर्णनिरोग कर देगा। लेकिन, विश्राम भी पूर्ण होना चाहिए’’ तो पत्नी बड़ी प्रसन्न हुई ।

घर जाकर श्रीमती जी से कह दिया ‘‘जुहू की तैयारी कर लो, हम दो दिन पूर्ण विश्राम करेंगे ।’’

एक दिन बाद पूर्णिमा भी थी । चाँदनी रात का मजा जूहू पर ही है। एक दिन पहले आधी रात से ही उन्होंने तैयारी शुरू कर दी । दो बजे का अलार्मबेल लग गया । स्वयं वह दो से पहले ही उठ बैठी और कुछ नोट करने लगी ।

श्रीमती जी ने इन सब कामों की सूची बनाकर मेरे हाथ में दी ।

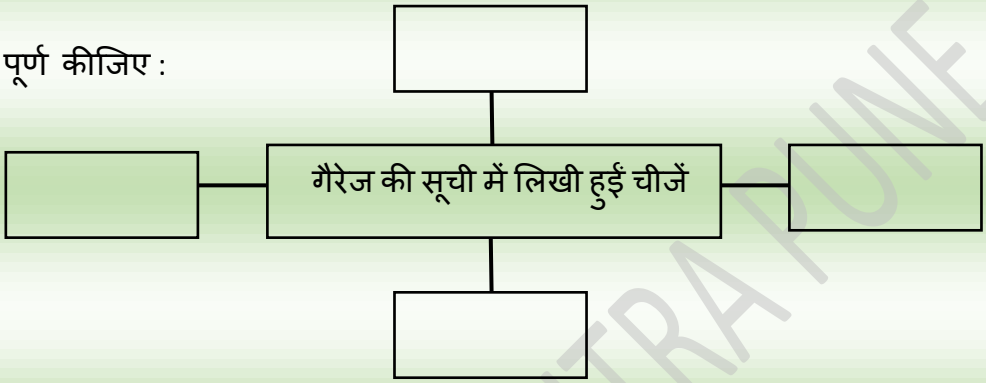
गैरेज में पहुँचकर श्रीमती जी ने मोटर में हवा भरने की पिचकारी, ट्यूब वाल, रबड़ सोल्यूशन, एक गैलन इंजिन आयल आदि-आदि चीजें और भी लिखी थीं ।

- अध्यापक उपर्युक्त गद्यखंड की सहायता से छात्रों से संवाद करके इस विधा की जानकारी देंगे ।
- छात्र ध्यानपूर्वक समझकर श्रवण करेंगे ।
- कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे ।

आओ अभ्यास करें

कृति

अ) संजाल पूर्ण कीजिए :



ब) पर्यायवाची शब्द लिखिए :

हवा- _____ घर-_____

क) पाठ में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

आराम -_____ खुश-_____

- अध्यापक छात्रों से प्रश्न के संदर्भ में चर्चा करेंगे ।
  1) बिजली से चलने वाले उपकरणों के नाम बताईए।
  2) बिजली का उपयोग किन -किन क्षेत्रों में होता है।

आओ सृजन करें

'ईंधन की बचत, समय की माँग है' इस विषय पर मत व्यक्त कीजिए।

पूरक साहित्य स्रोत

दैनंदिन जीवन में उपयोगी उपयोगी किसी एक उपकरण के आविष्कार की जानकारी प्राप्त कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 30

ब्रीज कोर्स-सेतु अभ्यास कसौटी क्र. 2

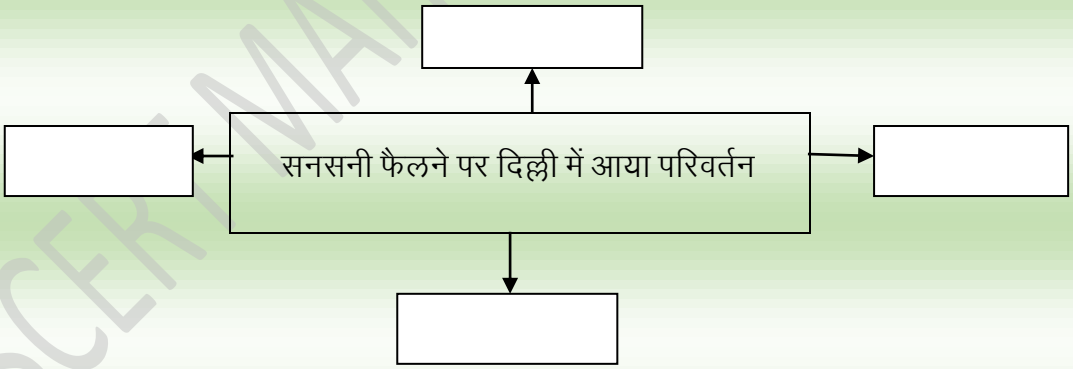
(दिन: 16 से 29 तक)

कक्षा – दसवीं | विषय – हिंदी | अंक : 15

प्र. 1. निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 6

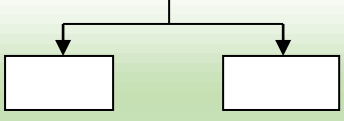
उन दिनों दिल्ली में बड़ी सनसनी फैली हुई थी। नगर के सभी भागों से बच्चों के उठाए जाने की खबरें आ रही थीं।एक-दो बार पत्रों में यह छपा कि जमुना के पुल पर कुछ आदमी पकड़े गए जिन्होंने बोरियों में बच्चें बंद किए हुए थे। स्कूलों से बच्चे बहुत सावधानी से लाए जाते थे।पार्कों में और बाहर गलियों में बच्चों का खेलना-कूदना बंद हो चुका था।दिल्ली नगरपालिका और संसद में इसी विषय पर अनेक सवाल-जवाब हो चुके थे |इसलिए इस मामले में राजधानी के सभी नागरिकों की दिलचस्पी थी।आश्चर्य इस बात का नहीं कि लोगों ने अमरू पर संदेह क्यों किया, बल्कि इस बात का था कि उन्होंने अभी तक उसकी मार-पिटाई शुरू क्यों नहीं करदी।वातावरण में सनसनी और तनाव की कमी न थी।

1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2



2) लोगों ने इस पर संदेह जताया - 1

3) वातावरण में इसकी कमी न थी 1

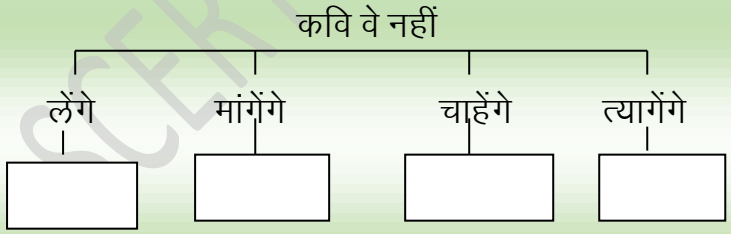


4) 'फैलती सनसनी में मेरी भूमिका' विषय पर अपना मत लिखिए। 2

प्र. 2 निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 5

यह हार एक विराम है
जीवन महासंग्राम है
तिल-तिल मिटूँगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं।
वरदान माँगूँगा नहीं।।
स्मृति सुखद प्रहरों के लिए
अपने खंडहरों के लिए
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं
वरदान माँगूँगा नहीं।।
क्या हार में क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही।
वरदान माँगूँगा नहीं।।
लघुता न अब मेरी छुओ
तुम ही महान बने रहो
अपने हृदय की वेदना मैं व्यर्थ त्यागूँगा नहीं।
वरदान माँगूँगा नहीं।।

1) कृति पूर्ण कीजिए : 2



2) विरुद्धार्थी शब्द लिखो : 1

1) हार x ..... 2) लघु x .....

3) 'संघर्ष ही जिंदगी है' विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 3 निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 4

(बच्चों की गवर्नेस जूलिया वासिल्देवना आती है।)

जूलिया : (दबे स्वर में) आपने मुझे बुलाया था मालिक ?

गृहस्वामी : हाँ हाँ ..... बैठ जाओ जूलिया .... खड़ी मत रहो।

जूलिया :(बैठतीहुई) शुक्रिया।

गृहस्वामी :जूलिया,मैं तुम्हारी तनख्वाह का हिसाब करना चाहता हूँ।मेरे ख्याल से तुम्हें पैसों की जरूरत होगी ;और जितना मैं तुम्हें जान सका हूँ,मुझे लगता है कि तुम अपने आप पैसे भी नहीं माँगोगी।इसलिए मैं खुद ही तुम्हें पैसे देना चाहता हूँ।हाँ तो तुम्हारी तनख्वाह तीस रूबल महीना तय हुई थी न ?

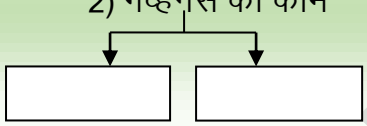
जूलिया :(विनीत स्वर में)जी नहीं मालिक,चालीस रूबल।

गृहस्वामी : नहीं भाई,तीस ...ये देखो डायरी,(पन्ने पलटते हुए)मैंने इस में नोट कर रखा है।मैं बच्चों की देखभाल और उन्हें पढ़ानेवाली हर गवर्नेस को तीस रूबल महीना ही देता हूँ।तुमसे पहले जो गवर्नेस थी,उसे भी मैं तीस रूबल ही देता था।

अच्छा,तो तुम्हें हमारे यहाँ काम करते हुए दो महीने हुए हैं।

1) गृहस्वामी इसका हिसाब करता है - 1

2) गव्हर्नेस का काम 1



3) स्वमत लिखो : यदि आपका मालिक आपके काम का सही वेतन न देता तो ..... । 2

SCERT MAHARASHTRA

दिन - 31

क्षेत्र – श्रवण, पठन, लेखन

अपेक्षित कौशल - छात्र मानवीय गुण तथा मानवीय दृष्टिकोन विकसित करने हेतु प्रयास करेंगे।

संकल्पना - पद्य

आओ पता करें

अध्यापक छात्रों को पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर, पद्यांश का उद्देश गहराई से समझने हेतु प्रेरित करेंगे।

अँधेरे के इलाके में किरण माँगा नहीं करते
जहाँ हो कंटकों का वन सुमन माँगा नहीं करते ।
जिसे अधिकार आदर का, झुका लेता स्वयं मस्तक
नमन स्वयमेव मिलते हैं, नमन माँगा नहीं करते ।

कृति -

1) निम्नलिखित काव्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए ।
   1. **अँधेरे** के इलाके में - _____
   2. **नमन** स्वयमेव मिलते हैं - _____
2) इन शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।
   1. काँटे - ____ 2. फूल - ____ 3. प्रदेश - ____ 4. सिर - ____

आओ सक्षम बनें

निम्नलिखित उदाहरण द्वारा छात्र जीवन में सुख-दुख का महत्व समझने का प्रयास करते है ।

मैं नहीं चाहता चिर-सुख, मैं नहीं चाहता चिर- दुख, सुख - दुख की खेल-मिचौनी, खोले जीवन अपना मुख ।।१।।	सुख - दुःख के मधुर मिलन से, यह जीवन हो परिपूरन, फिर घन में ओझल हो शशि, फिर शशि से ओझल हो घन ।।२।।

आओ अभ्यास करें

कृति

1. आकृति पूर्ण कीजिए ।

	कवि नहीं चाहते	

2. उत्तर लिखिए ।

जीवन इससे परिपूरन होता है - ----------

आओ सृजन करें

आशा- निराशा, सुख- दुख इन शब्दों की सहायता से कविता तैयार करके सुनाइए ।

पूरक साहित्य स्त्रोत

हिंदी-मराठी भाषा के प्रमुख गजलकारों की गजल रचना सुनिए और सुनाइए।

दिन - 32

क्षेत्र -श्रवण, पठन, लेखन,

अपेक्षित कौशल – छात्र पद्यांश को गहराई से पढ़कर उसका अर्थ समझेंगे । छात्र कविता का रसास्वादन कर जीवन की वास्तविकता समझने की कोशिश करेंगे ।

संकल्पना पद्य

आओ पता करें

अध्यापक छात्रों पद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। विविध प्रश्न पूछकर पद्यांश का उद्देश्य गहराई से समझने में मदद करेंगे ।

परों में शक्ति हो तो नाप लो उपलब्ध नभ सारा
उडानों के लिए पंछी गगन माँगा नहीं करते ।
जिसे मन - प्राण से चाहा, निमंत्रण के बिना उसके
सपन तो खुद-ब-खुद आते, नयन माँगा नहीं करते ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति

1. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

1) परों में शक्ति हो तो ----------

अ)उपलब्ध नभ को नापना है ।

ब)उपलब्ध जल को नापना है ।

क)भू को नापना है ।

2) सपन तो खुद-ब-खुद आते ----------

अ)आँखें माँगा नहीं करते ।

ब)निगाहे माँगा नहीं करते ।

क) नयन माँगा नहीं करते ।

2. परों में शक्ति हो तो नाप लो उपलब्ध नभ सारा, उडानों के लिए पंछी गगन माँगा नहीं करते । इन काव्यपंक्तियों से प्राप्त संदेश अपने शब्दों में लिखिए ।

आओ सक्षम बनें

निम्नलिखित उदाहरण द्वारा छात्र जीवन मे सुख-दुख का महत्व समझने का प्रयास करेंगे ।

जीवन में इसी तरह
दुःख की घटाओं का अँधेरा है
इसके पीछे शायद रंगों का घेरा है ।
एक इसी आशा के तर्क पर
दुःख और दाह हम सहते हैं,
जीवन में इसी आकर्षण को
इंद्रधनुष कहते हैं ।

आओ अभ्यास करें

कृति

1) आकृति पूर्ण कीजिए :

अ) [ ] — मनुष्य सहता रहता है — [ ]

आ) जीवन के आकर्षण को कहते है — [ ]

इ) जीवन में घटाओं का अँधेरा से तात्पर्य — [ ]

2) एक इसी **आशा**..... कहते हैं । इन पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए ।

आओ सृजन करें

यदि मैं तितली होता/ होती तो..... इस विषय पर निबंध लिखिए तथा कक्षा में उसका पठन कीजिए।

पूरक साहित्य स्त्रोत

सामाजिक समस्याओं के संदर्भ में जनजागृति करने हेतु किए गए घोषवाक्य पढिए तथा उनका संकलन कीजिए ।

दिन - 33

क्षेत्र –श्रवण,भाषण,लेखन

अपेक्षित कौशल : १) छात्र कविता का गहराई से श्रवण और पठन करने हेतु रसास्वादन करेंगे |

२) छात्र कविता में वर्णित मुद्दों / विचारों / तथ्यों पर चर्चा करेंगे |

संकल्पना : पद्य

आओ पता करें

अध्यापक छात्रों को 'ए मेरे वतन के लोगो' यह गीत सुनाएँगे|

अध्यापक गीत का भावार्थ संक्षेप में स्पष्ट करते हुए शहीदों के शहादत की चर्चा करेंगे |

प्र . 1) 1857 के स्वतंत्रता समर में किन योद्धाओं ने जान की बाजी लगाई ?

प्र. 2) आपके गाँव-नगर के आसपास की जगह का भी ऐतिहासिक महत्व होगा,तो वह बताओ |

प्र. 3) चर्चा करेंगे : यदि आप उन सेनानियों की जगह होते तो ..... ।

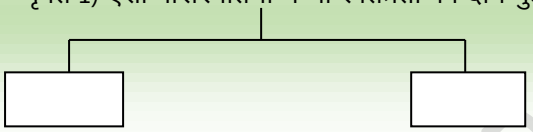
आओ सक्षम बनें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों की सहायता से आजादी को बरकरार रखने के लिए हम क्या कर सकते हैं इस पर चर्चा करे |

छात्र आजादी का सही अर्थ समझने की कोशिश करेंगे |

घोर अंधकार हो,
चल रही बयार हो,
आज द्वार-द्वार पर यह दीया बुझे नहीं ,
वह निशीथ का दीया ला रहा विहान है |
शक्ति का दिया हुआ,
शक्ति को दिया हुआ ,
भक्ति से दिया हुआ,
यह स्वतंत्रता दिया हुआ,
रुक रही न नाव हो,
जोर का बहाव हो,
आज गंगाधर का यह दीया बुझे नहीं,
वह स्वदेश का दीया प्राण के समान है |

कृति 1) ऐसी परिस्थितियों में भी स्वतंत्रता का दीप बुझना नहीं चाहिए |



2) यह प्राण के समान है - ☐

3) कुछ शब्द हिंदी में ऱ्हस्व (छोटी मात्रा में) और मराठी में दीर्घ (बड़ी मात्रा में) आते हैं, ऐसे कुछ शब्द कविता में आए है, वह ढूँढ़ो |

आओ अभ्यास करें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों पर चर्चा करेंगे |

यह अतीत कल्पना ,
यह विनीत प्रार्थना ,
यह पुनीत भावना ,
यह अनंत साधना,
शांति हो, अशांति हो,
युद्ध,संधि,क्रांति हो,
तीर पर,कछार पर,यह दीया बुझे नहीं,
देश पर.समाज पर,ज्योति का वितान है

प्र . 1) जोडियाँ मिलाइए :

अ)	**ब)**
1) अतीत	**क)** प्रार्थना
2) विनीत	**ख)** साधना
3) पुनीत	**ग)** कल्पना
4) अनंत	**घ)** भावना

प्र . 1) कृति पूर्ण कीजिए :

इन पर ज्योति का वितान है -



प्र. 2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।

१) शांति X ..... २) युद्ध X .....

आओ सृजन करें

1) चर्चा करें- हमें किसकी आवश्यकता है – 'शांति या अशांति' |

2) संक्षेप में लिखिए : यदि मैं सैनिक होता ..... |

पूरक साहित्य स्रोत

अंतरजाल की मदद से किसी सेनानी के जीवन का प्रेरणादायी प्रसंग पढ़े |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 34

क्षेत्र -श्रवण,भाषण,लेखन

अपेक्षित कौशल : 1) छात्र एकाग्रता से कविता सुनेंगे |
2)छात्र कविता सुनते समय कठिन लगनेवाले शब्दों, मुद्दों, अंशों का अंकन करेंगे |

संकल्पना – पद्य

आओ पता करें

अध्यापक छात्रों को 'अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं ' यह गीत सुनाएँगे|

अध्यापक गीत का भावार्थ संक्षेप में स्पष्ट करते हुए क्रांतिकारियों के बलिदान पर चर्चा करेंगे |

1) अध्यापक छात्रों को इतिहास के पन्नों से दूर क्रांतिकारियों की जानकारी देंगे ।
उदा .झलकारी बाई,राणी चेन्नम्मा

2) आपके आसपास के किसी स्वतंत्रता सेनानी जानकारी बताइए ।

आओ सक्षम बनें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों की सहायता से शहीद-समाधी की दुर्दशा पर चर्चा करेंगे |

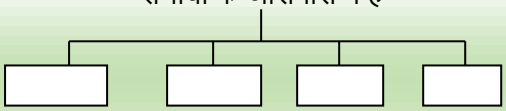
छात्र शहीद स्मारक या शहीद की समाधी का महत्व समझने की कोशिश करेंगे |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

तीन-चार फूल हैं,
आस-पास धूल हैं,
बाँस हैं-बबूल हैं,
घास के दुकूल हैं ,
वायु भी हिलोरे दे,
फूँक दे, चकोर दे,
कब्र पर,मजार पर,यह दीया बुझे नहीं,
यह किसी शहीद का पुण्य प्राण दान है |

1) कृति पूर्ण कीजिए।

समाधी के आसपास ये हैं



2) यह हिलोरे दे रहा है - ☐

3) कविता में आए शब्दयुग्म ढूँढ़िए |

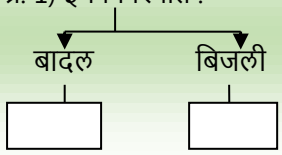
आओ अभ्यास करें

अध्यापक निम्नलिखित पद्य पंक्तियों की सहायता से देश की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करेंगे |

झूम-झूम बदलिया ,
चूम-चूम बिजलियाँ,
आँधियाँ उठा रहीं,
हलचलें मचा रहीं,
लड रहा स्वदेश हो,
यातना विशेष हो,
छुद्र जीत-हार पर,यह दीया बुझे नहीं,
यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है

SCERT MAHARASHTRA PUNE

प्र. 1) इनकी स्थिति :



प्र 2) यह लड रहा है -

प्र. 3) चर्चा करें : 'यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान '

आओ सृजन करें

1) कविता में उल्लिखित 'पुण्य' शब्द का उपयोग कर और शब्द तैयार कीजिए |

2) संक्षेप में लिखिए :'दान का महत्व' |

3) आपके आसपास होनेवाली शहीद की समाधी का खयाल आप किस प्रकार से रखोगे - लिखिए।

पूरक साहित्य स्रोत

विश्वास पाटील जी द्वारा लिखित
महानायक उपन्यास का प्रसंग पढ़े |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 35 / 36

क्षेत्र -श्रवण, संभाषण, मौखिक भाषा विकास

अपेक्षित कौशल -
छात्र समझपूर्वक श्रावण करेंगे। अपने शब्दों में व्यक्त होंगे। लेखन में कौशल रखेंगे।
संकल्पना : उपयोजित लेखन / रचना विभाग / पत्र लेखन

आओ पता करें

गुट चर्चा
अपने विचारों को लिखित रूप से अपेक्षित व्यक्ति तक पहुँचाने वाले साधन कौन-कौन से हैं ?

अध्यापक छात्रों से चर्चा कर लिखित साधन में पत्र लेखन तक पहुंचते हैं।
नये तकनीकी साधनों के बारे में चर्चा करते हैं जैसे § संगणक, भ्रमणध्वनि, अंतरजाल, ईमेल वीडियो कॉलिंग इन्होंने भी दैनिक जीवन में व्यक्तियों को जोड़ा है।

परंपरागत संपर्क साधनों में अपने भाव और विचारों को अपेक्षित व्यक्ति पहुँचाने वाला साधन केवल पत्र ही है।
इस प्रकार अपने भाव, विचार अपेक्षित व्यक्ति, रिश्तेदार, मित्र, सहेली तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का परंपरागत सशक्त माध्यम है पत्र लेखन।

अध्यापक पत्र लेखन के विभिन्न विषयों पर छात्रों से गुटद्वारा चर्चा करेंगे।
मांग पत्र, शिकायत पत्र अनुमति पत्र विनती पत्र आवेदन पत्र चर्चा करेंगे।

आधुनिक तंत्रज्ञान में तकनीकी पत्र लेखन का ढांचा पूरी तरह से बदल गया है।
आधुनिक तकनीक का उपयोग करना समय की मांग है।

ई-मेल के प्रारूप के अनुरूप पत्र लेखन की पद्धति अपनाना अपेक्षित है।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

- **पत्र लेखन के प्रकार -**

1) औपचारिक पत्र

2) अनौपचारिक पत्र

अध्यापक दोनों पत्रों के बारे में छात्रों से चर्चा करते हैं और दोनों पत्र में होने वाले भेद-साम्य के बारे में बताते हैं ।

कृति

- **पत्र के प्रारूप चर्चा**

1) औपचारिक पत्र :

तिथि
ईमेल

प्रति,
विषय
संदर्भ

महोदय
विषय विवेचन
प्रारंभ
मध्य
उपसंहार

भवदीय /भवदीया
हस्ताक्षर
नाम
पता
ईमेल आईडी

अभिव्यक्ति लेखन :

स्वास्थ्य विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी अहमदनगर को स्कूल के छात्रों का टीकाकरण करने हेतु बिनति पत्र लिखिए ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

- **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर अनौपचारिक पत्र के प्रारूप पर गुट चर्चा करवाएँ।**

संबोधन ,प्रारंभ , मध्य , आखिर या उपसंहार , समापन ,बायी ओर भेजने वाले के हस्ताक्षर, नाम, पता, मेल ।

आओ अभ्यास करें

1. आवाज़ या ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में पत्र।
2. ग्रंथालय के लिए संदर्भ ग्रंथ की मांग करने हेतु पुस्तक भंडार को पत्र लेखन।
3 खरीदा हुआ नया स्मार्ट टीवी खराब चित्र और आवाज की शिकायत करते हुए दुकानदार को शिकायत पत्र लिखिए।

आओ सृजन करें

पिछली कक्षाओं के पाठ्यक्रम में आए अलग-अलग पत्रों के नमूने संग्रहित करें और पत्र संग्रह बनाइए ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 37

क्षेत्र -श्रवण, वाचन, लेखन, व्याकरण

अपेक्षित कौशल - 1)छात्र स्वर तथा व्यंजनो को समझेंगे / पहचानेंगे
2)छात्र संधि तथा संधि विच्छेद समझेंगे

संकल्पना - संधि तथा उसके भेद

आओ पता करें

अध्यापक फलक पर कुछ स्वर तथा व्यंजन लिखेंग अ आ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ क ख ग घ च ज य र ल व श अध्यापक विद्यार्थियों से स्वर तथा व्यंजन का सस्वर वाचन करवाएँगे | अध्यापक चर्चा द्वारा पता करेंगे कि विद्यार्थी स्वर तथा व्यंजन को जानते हैं या नहीं |

आओ सक्षम बनें

उदा. 1

हिम + आलय = हिमालय, सद् + आनंद = सदानंद, दिक्+ गज =दिग्गज, नि: + चय =निश्चय

इन उदाहरणों को अध्यापक पढ़ेंगे | विद्यार्थी भी उचित उच्चारण के साथ उदाहरण सस्वर पढ़ेंगे | अध्यापक संधि विच्छेद समझाएँगे | अध्यापक उन्हें संधि के संबंध में उचित मार्गदर्शन करेंगे |

उदा. 2

विद्या + आलय =विद्यालय , गिरी+ईश = गिरीश , सदा + एवं = सदैव , इति + आदि = इत्यादि , सु + आगत = स्वागत

अध्यापक विद्यार्थियों को शब्दों का उचित उच्चारण करवाएँगे | अध्यापक विविध प्रश्न पूछ कर विद्यार्थियों को स्वर संधि समझाएँगे | कृति द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

कृति :

निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :

शब्द - रवींद्र, सर्वेक्षण, अभ्यागत, परंपरागत, अन्वेषण इन शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए |

उदा. 2

दिक् + अंबर = दिगंबर , उद् + घाटन = उद्घाटन , सम् +तोष = संतोष , जगत् + नाथ = जगन्नाथ , सम् + चय = संचय

अध्यापक विद्यार्थियों से शब्दों का उचित उच्चारण करवाएँगे | अध्यापक चर्चा करते हुए विविध प्रश्न पूछेंगे | इस प्रकार व्यंजन संधि समझाएँगे | कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

कृति:

इन शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :

सज्जन ,उच्चारण , षट्विकार, जगदंबा , शंकर , उद्धार

उदा. 3

मन: + बल = मनोबल , नि: + अक्षर = निरक्षर, दु: + शासन = दुश्शासन, भा :+ कर = भास्कर, अंत: +करण = अंतःकरण

अध्यापक विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उचित उच्चारण करवाएँगे | प्रश्न पूछ कर चर्चा करते हुए विसर्ग संधि समझाएँगे | कृतियों द्वारा आवृत्ति करवाएँगे |

निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :

नमस्ते, पुनर्निर्माण, वयोवृद्ध, निर्धन, निस्तेज, मनस्ताप

इस प्रकार अध्यापक उदाहरणों द्वारा संधि तथा उनके भेद के संबंध में विद्यार्थियों को समझाएँगे |

आओ अभ्यास करें

1) निम्नलिखित संधि विच्छेद से उचित शब्द तैयार कीजिए :

भो + अन = ... , नि :+ अक्षर = ... , उत् + लास = ... , परी + आवरण = ... , स्व + छंद = ...

आओ सृजन करें

SCERT MAHARASHTRA PUNE

स्वर संधि , व्यंजन संधि, विसर्ग संधि के दो- दो उदाहरण देकर तीनों संधि की परिभाषा तैयार करने का प्रयास कीजिए |

पूरक साहित्य स्त्रोत

कक्षा नौवीं की पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ३१ के स्वाध्याय - भाषा बिंदू को हल कीजिए |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 38

क्षेत्र -श्रावण, वाचन, लेखन, मौखिक अभिव्यक्ति

अपेक्षित कौशल - 1) छात्र अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करेंगे ।

2) छात्र अपने भावो / कल्पनाओ को शब्दरूप दे सकेंगे।

संकल्पना - रचना विभाग (कहानी लेखन)

आओ पता करें

अध्यापक विद्यार्थियों को उन्होंने सुनी , पढ़ी कहानी बताने के लिए कहेंगे | विद्यार्थी कहानियाँ सुनाएंगे| अध्यापक विद्यार्थियों से सुनी कहानियों की विशेषताएँ बताएँगे | कहानी के संदर्भ में अधिक जानकारी देंगे |

कहानी लिखते समय निम्न बातों की ओर अधिक ध्यान दें :

* कहानी भूतकाल में ही लिखी जाए
* आवश्यकतानुसार पात्र , संवाद हो
* कहानी मुद्दों के अनुसार , उनके क्रमानुसार ही हो
* कहानी में मुहावरे, कहावतें आदि का प्रयोग हो
* प्रभावी , रोचक तथा शुद्ध भाषा का प्रयोग हो
* शीर्षक तथा सीख लिखना आवश्यक है
* उचित समापन हो
* शब्द मर्यादा का पालन हो

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ सक्षम बनें

अध्यापक कहानी के मुद्दे देकर उस पर चर्चा करवाएँगे | उस चर्चा द्वारा विद्यार्थी कहानी तैयार करेंगे | कहानी लिखने की कला को अवगत करेंगे |

दो मित्र - सागर में तूफान - नौका टूटना - दोनों का एक ही तख्ते का सहारा लेना - तख्ता केवल एक का भार संभालने में समर्थ - "मेरी मां का ध्यान रखो " इस सूचना के साथ अविवाहित मित्र का तख्ते को छोड़ देना - दूसरे का बचना | सीख तथा शीर्षक

आओ अभ्यास करें

अध्यापक कहानी लेखन के विभिन्न मुद्दे देंगे | विद्यार्थियों को कहानी लिखने के लिए कहेंगे |

1) विभावरी आदर्श छात्रा - समारोह में उसे पुरस्कृत किया जाना था- समारोह के दिन स्कूल के लिए निकलना - रास्ते में स्कूल के किसी छात्र के साथ दुर्घटना - समारोह की चिंता किए बिना विभावरी द्वारा उसे अस्पताल पहुँचाना - छात्र की जान बचना - विभावरी का देरी से स्कूल पहुँचना - प्रधानाचार्य द्वारा डांटना - उसी समय डॉक्टर द्वारा स्कूल में फोन आना - सब पता चलने पर प्रधानाचार्य द्वारा विभावरी का गौरव - सही अर्थों में आदर्श छात्रा | सीख तथा शीर्षक

2) एक गाँव - गाडगे बाबा का प्रवेश - अस्वच्छता देख दुख - बाबा का अकेले स्वच्छता अभियान में लगना - रोज आकर स्वच्छता करना - धीरे-धीरे लोगों का झाड़ू हाथ में उठाना - रोज एक घंटा स्वच्छता अभियान में - गाँव में स्वच्छता - लोगों को स्वच्छता के महत्व का पता चलना - बाबा का दूसरे गाँव जाना - लोगों द्वारा स्वच्छता अभियान जारी | सीख तथा शीर्षक

आओ सृजन करें

किसी सुनी हुई कहानी के मद्दे तैयार कीजिए। उस आधार पर कहानी लिखन कीजिए। और अपनी कक्षा में सुनाइए |

पूरक साहित्य स्त्रोत

कक्षा आठवीं तथा नौवीं में दिए गए कहानी लेखन के स्वाध्याय को अपनी कॉपी में हल कीजिए |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 39

क्षेत्र -श्रवण, वाचन ,लेखन

अपेक्षित कौशल – 1) छात्र घटी हुई / देखी हुई घटना का विवरण अपने शब्दो में करेंगे।
2) छात्र वृत्तांत लेखन करेंगे।

संकल्पना – रचना विभाग (वृत्तांत लेखन)

आओ पता करें

अध्यापक वृत्तांत लेखन के कुछ नमूने विद्यार्थियों को दिखाएँगे | प्रश्न पूछ कर पता करेंगे कि वे वृतांत के बारे में जानते हैं या नहीं | विद्यार्थी वृत्तांत के नमूने देखेंगे | उन पर चर्चा करेंगे | अध्यापक चर्चा द्वारा , विभिन्न प्रश्नों द्वारा वृतांत के संबंधी अधिक जानकारी देंगे | विद्यार्थी वृतांत लिखने के लिए प्रेरित होंगे |

अध्यापक छात्रों को वृतांत लिखते समय निम्न बातों की ओर अधिक ध्यान देने के लिए कहेंगे –

* स्थल , काल , घटना का होना अनिवार्य है |
* प्रत्यक्ष घटी घटना का वृत्तांत हो
* विषयानुसार लेखन हो
* अपने शब्दों में लेखन हो
* सीमित शब्दों में अधिक आशय हो

आओ सक्षम बनें

अध्यापक वृत्तांत का नमूना दिखा कर उस पर चर्चा करवाएँगे | उस चर्चा द्वारा वृतांत किस घटना का लिखा जा रहा है ? घटना कब हुई है? कहाँ हुई है ? वहाँ प्रत्यक्ष क्या - क्या हुआ इस बारे में प्रश्न पूछेंगे और वृतांत के संबंधी अधिक जानकारी देंगे |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

आओ अभ्यास करें

अध्यापक वृत्तांत लेखन के विभिन्न विषय देंगे | विद्यार्थियों को वृत्तांत लिखने के लिए कहेंगे |

कृति पूर्ण किजिए :

1) अपनी पाठशाला में मनाएँ गए ' योग दिवस "का वृतांत लिखिए |

(वृतांत में स्थान , काल ,घटना का होना आवश्यक है |)

2) सावित्रीबाई फुले विद्यालय में मनाएँ गए ' बालिका दिवस समारोह " का वृत्तांत लिखिए |

(वृत्तांत में स्ल ,काल ,घटना का उल्लेख आवश्यक है |)

3) समता विद्यालय में मनाएँ गए "वार्षिक पारितोषिक समारोह "का वृत्तांत लिखिए |

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का होना आवश्यक है |)

आओ सृजन करें

वृत्तांत लेखन के संबंधी अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए और उस पर अपनी टिप्पणी तैयार कीजिए |

पूरक साहित्य स्त्रोत

कक्षा आठवीं तथा नौवीं की पाठ्यपुस्तक में दिए गए वृतांत संबंधी स्वाध्याय हल कीजिए और अपनी कॉपी में लिखिए |

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 40

क्षेत्र -श्रवण, वाचन, व्याकरण

अपेक्षित कौशल – ·छात्र गौर से पढ़ेंगे।
·छात्र वाक्य का काल परिवर्तन कर सकेंगे।

आओ पता करें

- **अध्यापक चर्चा द्वारा पता करेंगे छात्रों को काल के बारे में कुछ जानकारी है या नहीं।**
- **अध्यापक छात्रों को निम्न प्रकार वाक्य बता कर उनका काल पहचानने के लिए कहेंगे**

1) विनोबाजी गीता का वर्ग चलाते हैं।
2) पिताजी की बातों का असर हुआ है।
3) गाड़ी अपनी गति से जा रही है।

आओ सक्षम बनें

अध्यापक छात्रों को सामान्य वर्तमान काल के वाक्य बता कर अन्य वाक्यों का सामान्य वर्तमान काल में वाक्य परिवर्तन करने के नियम बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

जैसे–

1) हम सूर्यास्त देखते हैं।
थानेदार डर जाता है।

नियम :- सामान्य वर्तमान काल में कर्ता को ने कारक चिह्न नहीं लगता।

2) अमरू बिल्ली पकड़ता है।
श्याम जाता है।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

नियम :- सामान्य वर्तमान काल में कर्ता पुल्लिंग एकवचन हो तो क्रिया की धातु को 'ता' प्रत्यय लगाकर 'है' सहायक क्रिया लिखते हैं।

3) पिताजी पूजा करते हैं।

हम अध्ययन करते हैं।

नियम :- सामान्य वर्तमान काल में कर्ता पुल्लिंग आदरार्थी या बहुवचन हो तो क्रिया के धातु को 'ते' प्रत्यय लगाकर 'हैं' सहायक क्रिया लिखते हैं।

4) बिल्ली परेशान करती है।

लता गाना गाती है।

नियम :- सामान्य वर्तमान काल में कर्ता स्त्रीलिंग एकवचन हो तो क्रिया के धातु को 'ती' प्रत्यय लगाकर 'है' सहायक क्रिया लिखते हैं।

5) मैं पत्र लिखता हूँ।

मैं पत्र लिखती हूँ।

नियम :- सामान्य वर्तमान काल में कर्ता उत्तम पुरूष सर्वनाम 'मैं' हो तो पुल्लिंग या स्त्रीलिंग के अनुसार क्रिया के 'ता'/ 'ती' प्रत्यय लगाकर 'हूँ' सहायक क्रिया लिखते है।

आओ अभ्यास करें

निम्नलिखित वाक्यों का सामान्य वर्तमान काल में परिवर्तन कीजिए ।

1. सातों तारे मंद पड़ गए।
2. बूढ़ी काकी ने भोजन किया
3. सुनील कमरे में सोया था।
4. उनके रोने की आवाज आती है।

आओ सृजन करें

सामान्य वर्तमान काल के पाँच वाक्य तैयार कीजिए ।

पूरक साहित्य स्त्रोत

अंतरजाल की मदद से काल के बारे में पढिए ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 41

क्षेत्र - वाचन, लेखन, व्याकरण

अपेक्षित कौशल – छात्र गौर से पढ़ेंगे।

- छात्र सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करेंगे।
- छात्र लिखते समय मानक वर्तनी, शुद्ध लेखन का अनुसरण करेंगे।

आओ पता करें

- अध्यापक छात्रों को वर्तमान काल के अलग-अलग प्रकारों के वाक्य बता कर उनके अंतर को छात्रों को समझने के लिए कहेंगे।
- अध्यापक छात्रों को वर्तमान काल के अलग-अलग प्रकार के वाक्यों के अंतर को स्पष्ट करेंगे।
- अध्यापक अपूर्ण वर्तमान काल के वाक्य बता कर छात्रों को वे वाक्य समझ लेने में सहायता करेंगे।

उदा.

1. शांति बुआ शुरुआत कर रही है।
2. हेमंत पानी पिला रहा है।
3. पड़ोसी तंग कर रहे हैं।

छात्र वाक्यों के काल को समझने की कोशिश करें ।

आओ सक्षम बनें

अध्यापक छात्रों को अपूर्ण वर्तमान काल के अलग-अलग वाक्य बता कर अपूर्ण वर्तमान काल में वाक्य बनाने के नियम तैयार करने को कहेंगे।

जैसे:-

१) अमरनाथ गाना सीख रहे हैं।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

लड़का खेल रहा है।

नियम :- अपूर्ण वर्तमान काल में कर्ता को 'ने' कारक चिह्न नहीं लगता।

२) रामू देख रहा है।

सिरचन पर्दा बुन रहा है।

नियम :- अपूर्ण वर्तमान काल में कर्ता पुल्लिंग एकवचन हो तो क्रिया का धातु लिखकर 'रहा है' सहायक क्रिया लिखते हैं।

3) पिताजी काम पर जा रहे हैं।

हम पूजा-पाठ कर रहे हैं।

नियम :- अपूर्ण वर्तमान काल में कर्ता पुल्लिंग आदरार्थी या बहुवचन हो तो क्रिया का धातु लिखकर 'रहे हैं' सहायक क्रिया लिखते हैं।

4) काकी रो रही है।

मानू ससुराल जा रही है।

नियम :- अपूर्ण वर्तमान काल में कर्ता स्त्रीलिंग एकवचन हो तो क्रिया का धातु लिखकर 'रही है' सहायक क्रिया लिखते हैं।

5) मैं पत्र लिखता हूँ।

मैं पत्र लिखती हूँ।

नियम :- अपूर्ण वर्तमान काल में कर्ता उत्तम पुरूष सर्वनाम 'मैं' होतो पुल्लिंग या स्त्रीलिंग के अनुसार क्रिया का धातु लिखकर 'रहा हूँ' / 'रही हूँ' इनमें से उचित सहायक क्रिया लिखते हैं।

आओ अभ्यास करें

निम्नलिखित वाक्यों का अपूर्ण वर्तमान काल में परिवर्तन कीजिए।

1) उमा पुस्तक शांति से पढ़ती है।

२) शंकर को कालेज के दिन याद आए।

३) सरकार ने एक ही टैक्स लगाया।

4) जूलिया ने हिसाब किया।

आओ सृजन करें

अपूर्ण वर्तमान काल के पाँच वाक्य तैयार कीजिए।

पूरक साहित्य स्रोत अंतरजाल की मदद से काल के बारे में पढ़िए ।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 42

क्षेत्र -वाचन, लेखन, व्याकरण

अपेक्षित कौशल – छात्र एकाग्रता पूर्वक पढ़ेंगे।

- आकलन सहित, मानक वर्तनी के अनुसार लिखेंगे।
- उचित विरामचिह्न प्रयोग करेंगे।

संकल्पना - आकलन

आओ पता करें

अध्यापक छात्रों से पता करेंगे कि प्रश्नार्थक वाक्य कैसे बनाएँगे । प्रश्न तैय्यार करते समय कौन-कौनसे प्रश्नवाचक सर्वनामों का / शब्दों का उपयोग किया जाएगा आदि।

अध्यापक निम्नलिखित परिच्छेद गौर से पढ़ने के कहेंगे-

एक बार बाल गंगाधर अपने कुछ मित्रों के साथ बात कर रहे थे। उन दिनों उन्होंने वकालत पास की थी। एक मित्र बोला, 'तिलक, वकालत तो तुमने पास कर ली है। किंतु आगे के लिए क्या सोचा है? क्या अब सरकारी नौकरी करोगे याकिसी कोर्ट कचहरी में वकालत?' मित्र की बात सुनकर तिलक बोले,'अब तुमने पूछ ही लिया है तो सुन लो। मुझे ऐसे पैसे की जरूरत नहीं जो मुझे सरकार का गुलाम बना कर रखे। मैं ऐसी वकालत नहीं करना चाहता जहां दिन में कई बार झूठ बोलना पड़े।'

बात आई-गई हो गई। सभी अपने-अपने कामों में लग गए। एक दिन उनकी मित्र-मंडली को पता चला कि बाल गंगाधर ने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया है। तनख्खाह है तीस रुपए महीना। यह सुनकर उस मित्र को सबसे ज्यादा आश्चर्य हुआ जिसने कुछ समय पूर्व उनका मन जानना चाहा था। वह सीधे तिलक के पास जा पहुंचा और बोला, 'यह तुमने क्या किया तिलक? वकालत की डिग्री लेकर अध्यापक क्यों बने? क्या तुम शिक्षकों की आर्थिक स्थिति के बारे में नहीं जानते? दोस्त! जब तुम अंतिम सांस लोगे, तब तुम्हारे दाह-संस्कार के लिए भी घर में कुछ नहीं होगा।'

आओ सक्षम बनें

- **अध्यापक छात्रों को गद्यांश पर प्रश्न कैसे बनाएँ इसका मार्गदर्शन करेंगे।**
- **परिच्छेद पर प्रश्न तैयार करते समय निम्न बातों को याद रखें-**

1) ऐसे प्रश्न तैयार करें जिनका उत्तर एक वाक्य में हो।
2) वाक्य में प्रश्नार्थक शब्द तथा प्रश्न चिह्न हो।
3) परिच्छेद को शीर्षक दीजिए, परिच्छेद से क्या सीख मिलती है ऐसे प्रश्न न हो।
4) केवल प्रश्न तैयार करने है। उत्तर लिखने की आवश्यकता नहीं है।
5) तैयार प्रश्न सार्थक और सही वाक्य रचना में हो।
6) उचित प्रश्न वाचक शब्द का प्रयोग हो।

आओ अभ्यास करें

उपरोक्त परिच्छेद पर चार प्रश्न तैयार कीजिए।

आओ सृजन करें

किसी भी एक अपठित गद्यांश पर चार प्रश्न तैयार कीजिए।

पूरक साहित्य स्त्रोत

ई-बालभारती से प्रश्नसूचक शब्दों का पठन कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 43

क्षेत्र - श्रवण, वाचन, लेखन

अपेक्षित कौशल –छात्र किसी विशेष क्षण प्रसंग को ध्यानपूर्वक समझकर श्रवण करेंगे
छात्र विचार-विमर्श करेंगे ।
छात्र सुने हुए अंशो पर विश्लेषणात्मक प्रतिक्रिया देंगे।
संकल्पना – गद्य

आओ पता करें

अध्यापक निम्नलिखित गद्यखंड का आशयसहीत भावपूर्ण वाचन करेंगे |

"अच्छा जी, अब हमसे उड़ने लगे । उस दिन खुद कह रहे थे कि कंपनी के पास लिखा लिखाया कुछ नहीं है, यह तो जिसका उत्तर सबसे अच्छा होगा उसे इनाम दे देगी । रेफ्रीजरेटर का विज्ञापन हो जाएगा और लाभ छाँटने के लिए किसी एक्सपर्ट को रखना पड़ता और उसके पैसे अलग बचेंगे ।"
"वह तो समय-समय पर दिमागी लहरें दौड़ती हैं ।"
अमिता ताली पीटकर बोली, "पिता जी, मैं रोज आइसक्रीम खाया करूँगी ।" हेमंत ने कहा, "मैं बर्फ के क्यूब चूसूँगा ।"
तभी बगल की छत से आवाज आई, "यह आइसक्रीम रोज-रोज
कौन बना रहा है ? क्या अमिता के पिता जी रेस्ट्रॉ खोल रहे हैं ?"
हेमंत चिल्लाया, "नहीं ताऊजी, कल हमारा रेफ्रीजरेटर आ रहा है ।"
अमिता भी खिलखिलाई, "उसमें रोजाना आइसक्रीम जमाया करेंगे।

अध्यापक प्राकृतिक संसाधन का मतलब क्या है, वे कौन कौन से है, वे मानव के लिए किस प्रकार उपयोगी है, इस विषय के बारे में चर्चा करवाएँगे ।

कृति

1) निम्नलिखित वाक्य किसने कहे है लिखिए:

1) मैं रोज आईसक्रीम खाया करूँगी -

2) मैं बर्फ के क्यूब चसूँगा -

2) उपर्युक्त परिच्छेद से अंग्रेजी शब्द लिखिए।

1) .....

2) .....

आओ सक्षम बनें

रोशनी होते न होते जुहू की तैयारी चरम सीमा पर पहुँच गई। स्टोव को भी आज ही धोखा देना था। वह हर मिनट बुझने लगा। आधा घंटा उसमें तेल भरने, धौंकनी करने में चला गया। आखिर चाय का प्रोग्राम स्थगित कर दिया गया और हम दत्तचित्त हो तैयारी में जुट गए। वाटरलू जाने से पहले नेपोलिय न ने भी ऐसी तैयारी न की होगी।

ऐसी महत योजनाओं के संपन्न करने में हम पति -पत्नी परस्पर सहयोग भावना से काम करने पर विश्वास रखते हैं। सहयोग भावना हमारे जीवन का मूलमंत्र है। सहयोग, मन, वचन, कर्म इन तीनों से होता है। जीवन का यह मूलमंत्र, मुझे भूला न था। श्रीमती जी मुझे मेरे कामों की याद दिलाने लगीं और मैं उनके उपकार के बदले उनकी चिंताओं में हाथ बँटाने लगा। मैंने याद दि लाया-"पूड़ियों के साथ मिर्ची का अचार जरूर रख लेना।

शिक्षक कथा का कुछ अंश छात्रों को पढ़ने के लिए कहेंगे छात्र ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे।

आओ अभ्यास करें

कृति -

1) सहायोग इन तीनों से होता हैं -

1) ..... 2) ..... 3) .....

2) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. रोशनी - .....
2. विश्वास - .....

आओ सृजन करें

प्रकृति हमारी गुरु विषय पर अपने विचार लिखो।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन – 44

क्षेत्र - श्रवण, वाचन, भाषण

अपेक्षित कौशल–

छात्र एकाग्रता से गद्यखंड समझकर श्रवण करेंगे।

छात्र अपने विचार व्यक्त करने का प्रयास करेंगे।

संकल्पना – गद्य

आओ पता करें

अध्यापक शिष्टाचार पर छात्रों से गुटचर्चा करेंगे

विद्यार्थी अपने मित्रों के साथ कैसे व्यवहार करते है बताने के लिए कहेंगे

जब तीन दिन की अनथक खोज के बाद बाबू रामगोपाल एक नौकर ढूँढ़कर लाए तो उनकी क्रुद्ध श्रीमती और भी बिगड़ उठीं। पलंग पर बैठे-बैठे उन्होंने नौकर को सिर से पाँव तक देखा और देखते ही मुँह फेर दिया।

''यह बनमानस कहाँ से पकड़ लाए हो? इससे मैं काम लूँगी या इसे लोगों से छिपाती फिरूँगी?''

इसका उत्तर बाबू रामगोपाल ने दिया।

''जानती हो, तलब क्या होगी? केवल बारह रुपए।.... सस्ता नौकर तुम्हें आजकल कहाँ मिलेगा?''

'तो काम भी वैसा ही करता होगा,' श्रीमती बोलीं। 'यह मैं क्या जानूँ? नया आदमी है, अभी अपने गाँव से आया है।' **श्रीमती जी की भौंवें चढ़ गईं, ''तो इसे काम करना भी मैं सिखाऊँगी? अब मुझपर इतनी दया करो, जो किसी दूसरे नौकर की खोज में रहो। जब मिल जाए तो मैं इसे निकाल दूँगी।''**

अध्यापक छात्रो से अलग-अलग प्रश्न पूछकर उपर्युक्त गद्यखंड का आकलन करवाएँगे।

कृति -

1) **प्रश्न** -

1. **क्या** आपके घर मे नोकर है ?
2. उसका नाम क्या है ?
3. कौन-कौन से काम करता है ?
4. आप उसे किस नाम से पुकारते हो ?

2) नौकर और मालिक के बीच अर्थपूर्ण व्यवहार होना चाहिए - स्वमत लिखिए ।

आओ सक्षम बनें

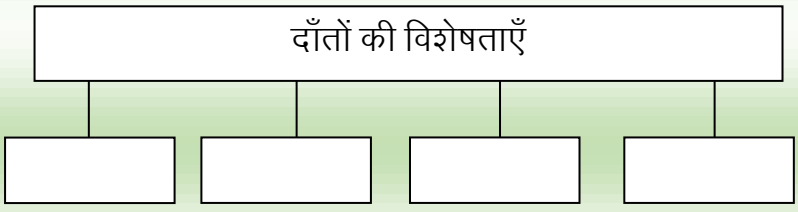
पंक्तिबद्ध और एकजुट रहने के कारण दाँत बहुत दुस्साहसी हो गए थे । एक दिन वे गर्व मे चूर होकर जिह्वा से बोले, ''हम बत्तीस घनिष्ठ मित्र हैं, एक-से-एक मजबूत । तू ठहरी अकेली, चाहें तो तुझे बाहर ही न निकलने दें ।'' जिह्वा ने पहली बार ऐसा कलुषित विचार सुना था । वह हँसकर बोली, ''ऊपर से एकदम सफेद और स्वच्छ हो पर मन से बड़े कपटी हो।''

''ऊपर से स्वच्छ और अंदर से काले घोषित करने वाली जीभ ! वाचालता छोड़, अपनी औकात में रह । हम तुझे चबा सकते हैं । यह मत भूल कि तू हमारी कृपा पर ही राज कर रही है'', दाँतों ने किटकिटाकर कहा । जीभ ने नम्रता बनाए रखी किंतु उत्तर दिया, ''दूसरों को चबा जाने की ललक रखने वाले बहुत जल्दी टूटते भी हैं । सामनेवाले तो और जल्दी गिर जाते हैं । तुम लोग अवसरवादी हो, मनुष् य का साथ तभी तक देते हो, जब तक वह जवान रहता है । वृद्धावस्था में उसे असहाय छोड़कर चल देते हो ।''

- अध्यापक छात्रो से मौन पठन करने के लिए कहेंगे ।

आओ अभ्यास करें

कृति 1) **लिखिए :**



2) ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिसके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।

1. अवसरवादी
2. बत्तीस

आओ सृजन करें

'यदि बिजली नहीं होती तो' इस विषय पर निबंध लिखिए ।

पूरक साहित्य स्त्रोत

दूरदर्शन, रेडिओ, यूट्यूब पर हास्य कविता सुनिए और सुनाइए।

प्रेमचंद की कोई कहानी पढ़िए और उसका आशय अपने शब्द में व्यक्त कीजिए।

SCERT MAHARASHTRA PUNE

दिन - 45

ब्रीज कोर्स-सेतु अभ्यास कसौटी क्र. 3

(दिन: 31 से 44 तक)

कक्षा – दसवीं　　विषय – हिंदी　　अंक : 15

प्र. 1. निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 6

मोहल्ले में समाचार उड़ती बीमारी से भी तेज फैलते हैं । हमारे फ्रिज का यह उपयोग पता चलते ही फिर लाइन बँध गई। कोई रोटी ला रहा है,कोई पराठे,तरह-तरह के साग,नाना प्रकार की मिठाइयाँ । चमनलाल लखनऊ गए तो टोकरा भर करेले ले आए क्योंकि मेरठ में अभी नहीं मिल रहे थे । बनजीं कोलकाता से संदेश और खीर महीने भर के लिए ले आए।

रेफ्रीजरेटर में हमें अपनी चीजों के लिए जगह न के बराबर मिलती थी,इस की कोई चिंता नहीं ।दु ख तो इस बात का था कि हमारे घर की प्राइवेसी छिन गई थी । नहाना,खाना भी हराम हो गया था।

बड़े परेशान!करें तो क्या करें ? समझमें नहीं आता था । जी करता था किसी को रेफ्रीजरेटर दे दूँ और फिर उसकी मुसीबत देखकर ताली पीट-पीटकर नाचूँ । किंतु उसमें लोगों की अमानत जो पड़ी थी।

1) आकृति में लिखिए : 2

रेफ्रिजरेटर में रखी गई चीजें|



2) फ्रीज में पड़ी थी- ☐ 1

3) चमनलाल लखनऊ से टोकरा भरकर यह लाए - ☐ 1

4) 'चिंता चेतना की चिता जलाती है' इस पर अपना मत लिखिए | 2

प्र. 2) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **5**

देखा सब संसार में,मतलब का व्यवहार।

जब लगि पैसा गाँठ में,तब लगि ताको यार।।

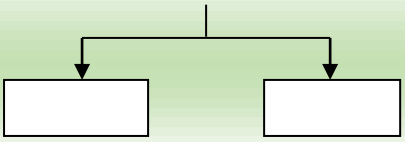
तब लगि ताको यार,यार सँग ही सँग डोलै।

पैसा रहा न पास,यार मुख से नहि,बोलै।।

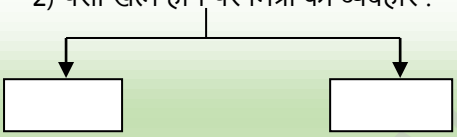
कह गिरिधर कविराय,जगत का ये ही लेखा।

1) कृति पूर्ण कीजिए :

पैसा पास होने पर मित्रों का व्यवहार : 1



2) पैसा खत्म होने पर मित्रों का व्यवहार : 1



3) दुनिया के व्यवहार का तरीका - 1

४) स्वमत लिखो : 'सच्चे मित्र की पहचान कैसे करोगे ?' 2

प्र. 3) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

साढ़े दस के करीब कामवाली कमला घर में झाड़ू-पोंछा करने आईतो बैठक बुहारते हुए उसकी नजर सोनू पर पड़ी । जगाने के लिए उसने सोनूको हिलाया,उसके जगाने की सोनू पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।वह बुदबुदाई-'कैसे घोड़े बेचकर सो रहा है शैतान!' उसकी टाँग पकड़कर उसेसोफे के नीचे से बाहर घसीट लिया । मगर सोनू की कोई हरकत नहीं हुई।

1) लिखिए : 1

1) झाड़ू-पोछा लगानेवाली - .....

2) घोड़े बेचकर सोनेवाला - .....

© SCERT MAHARASHTRA PUNE

2) कमला ने सोनू को जगाने के लिए ये किया – 1

1) ..... 2) .....

3) पंछी-प्राणियों को पिंजड़े में बंद रखने के संदर्भ में अपने विचार लिखिए । 2

SCERT MAHARASHTRA PUNE